जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 182 प्रभात कोटा, गुरुवार 17 अप्रैल, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अभिषेक मनु सिंघवी और जयराम रमेश ने सारे घोड़े खोल दिये गांधी परिवार के बचाव में

इन दोनों की दलील थी, कोई जुर्म नहीं हुआ, कोई पैसे का लेन-देन नहीं हुआ, किसी को कुछ भी भुगतान नहीं हुआ

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। नैशनल हैरल्ड केस में कांग्रेस नेताओं, राहुल, सोनिया गांधी तथा अन्य के खिलाफ दाखिल चार्ज शीट को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ भाजपा टकराव की मुद्रा में आ गये हैं। कांग्रेस ने दिल्ली सहित, पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन किये। दिल्ली में पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने एआईसीसी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया, लेकिन ई.डी. कार्यालय की ओर नहीं बढ़ पाये, क्योंकि उन्हें रोकने के लिये, वहाँ भारी पुलिस बल तैनात था।

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी तथा जयराम रमेश ने गांधी परिवार के बचाव में पूरा जोर लगा दिया। उन्होंने कहा कि कोई अपराध नहीं हुआ, पैसे का कोई लेन-देन नहीं हुआ, किसी को कोई पैसा नहीं दिया गया तथा ए.जे.एल. एवं यंग इंडियन या अन्य किसी के भी बीच कोई वित्तीय लेन-देन नहीं हुआ।

- कांग्रेस ने दिल्ली में व देश के कई स्थानों पर प्रदर्शन आयोजित किये, नैशनल हैरल्ड के मामले में ई.डी. द्वारा राहुल गांधी व सोनिया गांधी के खिलाफ राउज़ एवेन्यु कोर्ट में चार्ज शीट दायर करने पर।
- भाजपा का नेतृत्व अब यह आंक रहा है कि राहुल गांधी व सोनिया गांधी के खिलाफ कार्यवाही करने पर, जनता में क्या प्रतिक्रिया होगी।
- सवाल यह उठ रहा है कि ऐसी क्या आवश्यकता थी यंग इंडिया का गठन करने की तथा पचास लाख रूपए देकर कंपनी की पुरानी सभी देनदारियाँ खरीदने की? और क्या, यह सब जोखिम उठाने के बाद, गांधी परिवार, नैशनल हैरल्ड की हजारों करोड़ रूपए की सम्पत्ति को कंट्रोल करने में सफल होगा?

हालांकि, कांग्रेस बार-बार यह कह रही है कि कोई गलत काम नहीं हुआ, फिर भी, राउज़ एवेन्यु कोर्ट में चार्ज शीट पेश कर दी गई है तथा 25 अप्रैल को केस की सुनवाई होनी है।

गांधी परिवार को जमानत के लिये कोर्ट में अर्जी लगानी होगी तथा आरोप तय किये जायेंगे और ई.डी. ने कहा है कि वह अतिरिक्त चार्ज शीट और पेश करने वाली है।

राजनैतिक हल्कों में दोष-सिद्धि (कनविक्शन) तथा गिरफ्तारी की चर्चाएं चल रही हैं। भाजपा नेतृत्व भी इस बात का आकलन कर रहा है कि राहुल और सोनिया गांधी के मुद्दे पर जनता की प्रतिक्रिया क्या होगी। प्रश्न यह भी पूछा जा रहा है कि आखिर यंग इंडियन बनाने की जरूरत क्या थी, और क्या कांग्रेस नेतृत्व ने 50 लाख रूपए दिये, 90 करोड़ रूपए का कर्ज खरीदा तथा ऐसा करके क्या कांग्रेस नेतृत्व अब इस स्थिति में है कि वह हजारों करोड़ की नैशनल हैरल्ड सम्पत्तियों को नियंत्रित कर सके।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर ई.डी. गांधी परिवार को दोषी सिद्ध करना चाहती है, तो उसे इसके साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को बीस साल की सजा

जयपुर, 16 अप्रैल। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 17.6 साल की नाबालिग के साथ समय-समय पर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त रामस्वरूप को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 2.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी कैलाश चन्द्र अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि यौन अपराध बच्चे के मन पर गहरा प्रभाव डालता है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख अपनाने के बजाए उसे उचित दंड देना

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने अभियुक्त पर 2.50 लाख रूपये का जुर्माना भी लगाया।

जरूरी है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 14 जनवरी, 2022 को कालाडेरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि 6 दिसंबर, 2021 को स्कूल जाते समय अभियुक्त उसे रास्ते से अपने साथ जबरन हिंगोनिया ले गया और दुष्कर्म कर वापस छोड़ दिया। इसके बाद 11 जनवरी, 2022 को वह स्कूल से लौट रही थी तो अभियुक्त उसे रास्ते में मिला और साथ जाने के लिए मजबूर करने लगा। इस दौरान शोर सुनकर आसपास के लोग और उसके परिजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अन्नाद्रमुक चुनाव जीतने के बाद स्वयमेव सरकार बनायेगी, यह गठबंधन की सरकार नहीं होगी'

अन्नाद्रमुक नेता, पलानीस्वामी की इस घोषणा से भाजपा काफी स्तब्ध!

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। तमिलनाडु में भाजपा के साथ हुये गठबंधन की निर्विघ्न उड़ान से पहले ही, अन्नाद्रमुक प्रमुख इडापड्डी पलानीस्वामी ने बुधवार को स्पष्ट रूप से एकपक्षीय घोषणा कर दी कि अगर 2026 के विधानसभा चुनावों में गठबंधन की जीत हुई, तो तमिलनाडु में गठबंधन सरकार नहीं बनेगी।

अन्नाद्रमुक महासचिव इडापड्डी पलानीस्वामी ने कहा कि तमिलनाडु में गठबंधन सरकार नहीं बनेगी, गठबंधन तो केवल चुनावों के लिये है। उनका यह रूख भाजपा के स्थानीय नेताओं के रूख से भिन्न दिखाई दे रहा है।

जहाँ एक तरफ स्थानीय भाजपा नेता, जिनमें नवनिर्वाचित तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नगेन्द्र नयनार भी शामिल हैं, 2026 के चुनावों में विजय के बाद, तमिलनाडु में एनडीए सरकार की बात कह रहे हैं, वहीं, भाजपा नेताओं के इन बयानों को अन्नाद्रमुक नेता ने नकार दिया है, जो भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर पार्टी के अंदर तनाव और विरोध का सामना कर रहे हैं।

- अभी तक भाजपा के स्थानीय नेता बड़े जोर-शोर से कह रहे थे कि एनडीए, जिसमें अन्नाद्रमुक भी शामिल है, तमिलनाडु में सरकार बनायेगा। पर, यह भी सच है कि अमित शाह ने अन्नाद्रमुक के एनडीए में शामिल होने के बाद यह जरूर कहा था कि अन्नाद्रमुक ने एनडीए में शामिल होते समय कोई शर्त नहीं रखी है।
- पर, वक्फ बोर्ड का संशोधित विधेयक संसद में पारित होने के बाद, शायद अन्नाद्रमुक ने यह कहा कि यदि अन्नाद्रमुक-भाजपा के साथ मिलजुल कर सरकार बनायेगी, तो उसे मुस्लिम वोटों का नुकसान होगा। अतः राजनीतिक मजबूरी के कारण, अन्नाद्रमुक को यह घोषणा करनी पड़ी कि उसका व भाजपा का साथ केवल चुनाव जीतने तक ही है, यह साथ सरकार बनाने के लिए नहीं है।

दरअसल, भाजपा के साथ हुये गठबंधन का अन्नाद्रमुक के अंदर जो विरोध हो रहा है, उससे पलानीस्वामी इस समय भारी तनाव में हैं।

अन्नाद्रमुक के नेता, अल्पसंख्यक समुदाय की प्रतिक्रिया के कारण भी परेशान हैं, क्योंकि भाजपा के साथ हुये गठबंधन के कारण अन्नाद्रमुक को अल्पसंख्यकों के वोट नहीं मिलेंगे।

बुधवार को जब विधानसभा में बोलने की अनुमति नहीं दिये जाने के विरोध में पलानीस्वामी ने वॉकआउट का नेतृत्व किया, उसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह गठबंधन तो केवल चुनावों के लिये है तथा अगले वर्ष होने वाले चुनावों में अगर गठबंधन की जीत होती है तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दादी के सामने पोते की गर्दन पकड़कर ले गई बाघिन

रणथंभौर में गणेश मंदिर मार्ग पर झाड़ियों में बैठी सुल्ताना बाघिन अचानक बाहर आई, बच्चे की गर्दन को मुँह में दबाया और झाड़ियां में ओझल हो गई

- दो घंटे के प्रयास के बाद वन अधिकारी बाघिन को हटा कर बच्चे का शव ले पाये।
- बूंदी के गाँव की रहने वाली दादी अपने पोता-पोती के साथ त्रिनेत्र गणेश जी के मंदिर में शादी का निमंत्रण देने आई थी।

रणथंभौर में त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग में बाघिन ने हमला कर सात साल के बच्चे को मार डाला। बाघिन के हमले से कुछ समय पहले ही चित्र में नज़र आ रहा बच्चा, कार्तिक सुमन बंदर के साथ फोटो खिंचवा रहा था।

सवाईमाधोपुर, 16 अप्रैल (निस)। रणथम्भौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर रास्ते में बुधवार को झाड़ियों में छिपी बैठी बाघिन सुल्ताना 7 साल के बच्चे को उठा ले गई।

वनविभाग की टीम और अफसर जंगल की ओर दौड़े, साथ ही गणेश मंदिर मार्ग को भी श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया। इस दौरान झाड़ियों के बीच बाघिन काफी देर तक बच्चे के पैर पर पंजा रखकर बैठी रही। करीब दो घंटे बाद वन विभाग ने बाघिन को वहां से हटाकर बच्चे के शव को बरामद किया। मृतक बच्चे की पहचान कार्तिक सुमन (7) पुत्र द्वारका माली निवासी गोहटा थाना देई खेड़ा (बूंदी) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शी राम सिंह ने बताया कि दोपहर 3 बजे श्रद्धालुओं की संख्या कम थी। वे मंदिर की तरफ से दर्शन कर पैदल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस गवई 14 मई को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे

नयी दिल्ली, 16 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने शीर्ष अदालत के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई को अपना उत्तराधिकारी नामित किया है। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने न्यायमूर्ति गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखा है। यदि मंजूरी मिली तो न्यायमूर्ति गवई 14 मई, 2025 को मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद अपनी सेवानिवृत्ति

- वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उन्हें उत्तराधिकारी नामित किया।

23 नवंबर, 2025 तक इस पद पर बने रह सकते हैं। न्यायमूर्ति खन्ना का मुख्य न्यायाधीश पद का कार्यकाल 13 मई, 2025 तक है।

इसके बाद वे सेवानिवृत्ति हो जाएंगे। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। परंपरा के अनुसार, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश अपनी सेवानिवृत्ति से एक महीने पहले सरकार को अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफाशि भेजते हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा कटरा-श्रीनगर वंदे भारत का ''लांच'' स्थगित हुआ

सरकार की ओर से आयोजन को आगे खिस्काने का अधिकृत कारण मौसम की खराबी बताया जा रहा है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 19 अप्रैल को प्रस्तावित कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन स्थगित कर दिया गया है।

इस स्थगन के लिए आधिकारिक कारण खराब मौसम बताया गया है। भारतीय मौसम विभाग ने आगामी दिनों में जम्मू-कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताते हुए यैलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किए हैं।

हालाँकि, एक सवाल अब भी बना हुआ है: क्या यह स्थगन सुरक्षा कारणों से किया गया है?

अधिकारियों के अनुसार, हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने जम्मू के उधमपुर, कठुआ और पुंछ जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए हैं और ''टारगैटेड स्ट्राइक्स'' रोकने के

- पर, यह आम चर्चा में है, कि स्थगित होने का असली कारण है, आतंकवादी गतिविधियों के कारण असुरक्षा का माहौल।
- जैसा, कि विदित ही है, सिक्युरिटी एजेंसियां ऊधमपुर, कथुआ व पुंछ जिलों में हाई -अलर्ट की स्थिति में हैं।
- सोमवार को ही सुरक्षा एजेंसियों ने भारी कॉर्डन ऑफ किया, सुरनकोट तहसील के लसाना गांव में आतंकवादियों के छुपे होने की खबर के बाद।

लिए हाई अलर्ट पर हैं।

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार को पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के लस्साना गांव में आतंकी गतिविधियों की खबर मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

प्रस्तावित यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री को चिनाब रेल पुल और अंजी खड्ड रेल पुल का दौरा करना था, जिसके लिए दो हेलीपैड तैयार किए गए थे।

प्रधानमंत्री को श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन से श्रीनगर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस के एक विशेष कश्मीर संस्करण को हरी झंडी दिखानी थी। कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन में अनेक विशेषताएं होंगी, जैसे हीटिंग सिस्टम और ट्रेन इंजन की विंडस्क्रीन पर एंडी-फॉग सुविधा। इस नई ट्रेन का ट्रायल भारतीय रेल द्वारा 23 जनवरी को किया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि उद्घाटन के लिए नई तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं, लेकिन संभावना है कि यह अप्रैल के अंत तक किया जाएगा।

कश्मीर लाइन, जिसे उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन के नाम से जाना जाता है, 272 किलोमीटर लंबी है, जिसमें 119 किलोमीटर सुरंगें शामिल हैं।

इस परियोजना में विश्व का सबसे ऊँचा रेल पुल, चिनाब ब्रिज और भारत का पहला केबल-स्टेड रेल पुल, अंजी खड्ड ब्रिज शामिल हैं।

पहली बार ट्रेन में एटीएम लगा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। ट्रेन में सफर करते वक्त अगर नकदी पास न हो तो हर कोई चिंतित हो जाता है। लेकिन, अब इस चिंता से रेलवे मुक्ति दिलाने जा रहा है। भारतीय रेलवे ने एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस को देश की पहली ऐसी ट्रेन बना दिया है, जिसमें एटीएम लगा हुआ है। ट्रेन के एसी कोच में लगे इस एटीएम से चलती ट्रेन में ही यात्री कैश निकाल सकते हैं। इस एटीएम

- यदि अच्छा रिस्पॉन्स मिला तो लम्बी दूरी की अन्य ट्रेनों में भी एटीएम लगाये जायेंगे।

को खास तरह से डिजाइन किया गया है, ताकि यह ट्रेन के पूरी रफ्तार में होने के बावजूद भी ठीक से काम कर सके। साथ ही इसे चोरों से बचाने के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं और इस पर चौबीस घंटे सीसीटीवी से निगरानी भी रखी जाएगी। रेलवे का कहना है कि अगर मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस में लगे एटीएम को अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है तो फिर लंबी दूरी की अन्य ट्रेनों में भी एटीएम लगाए जाएंगे।

यह नई सुविधा भुसावल रेलवे डिवीजन और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की साझेदारी में शुरू की गई है और इसका ट्रायल रन भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

एकल पट्टा प्रकरण में रिविज़न याचिका वापस लेने पर बहस पूरी हुई

जयपुर, 16 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को पूर्व मंत्री शांति धारीवाल और अन्य अफसरों से जुड़े एकल पट्टा प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से पूर्व में पेश रिवीजन याचिका को वापस लेने के प्रार्थना पत्र पर पक्षकारों

- अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने हाई कोर्ट में कहा कि मौजूदा राज्य सरकार आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर केस आगे बढ़ाना चाहती है।

की बहस पूरी हो गई है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव ने प्रार्थना पत्र पर अपना फैसला बाद में देना तय किया है।

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने अमेरिका के ''हाई टैरिफ'' की बाधा लांघने के लिए नायाब तरीका ढूंढ निकाला

अति महंगे, लग्ज़री आइटम्स को बिना ''ब्रॉण्ड टैग'' के सोशल मीडिया में डायरेक्ट बेचने का सस्ता, सुन्दर टिकाऊ रास्ता पकड़ा चीन ने

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक गतिरोध के बीच, सुपर लग्ज़री गुड्स मार्केट में एक नया मोर्चा चुपचाप खुल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अमेरिकी फर्मों पर उत्पादन को वापस अमेरिका में लाने का दबाव बना रहे हैं और साथ ही चीनी आयात पर भारी शुल्क लगा रहे हैं। ऐसे में चीन के सप्लायरों ने पलटवार करने के लिए सोशल मीडिया को चुना है। ये लोग सार्वजनिक रुप से यह खुलासा कर रहे हैं कि कैसे वे दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के लिए लग्ज़री गुड्स बनाते हैं और उन्हीं उत्पादों को अब सीधे उपभोक्ताओं को उनकी खुदरा कीमतों से बहुत ही कम कीमत में बेच रहे हैं।

- बरकिन, लुई विटाँ, शनैल, एस्टी लॉडर व बॉबी ब्राउन जैसे लग्ज़री ब्रॉण्ड के बैग अमेरिका में रिटेल में 29-30 लाख रूपये में बिकते हैं।
- पर, अधिकतर ये आइटम चीन में ही बनते हैं तथा इनकी कुल लागत 1.2 लाख रूपए ही आती है।
- चीन के व्यापारी अब ये आइटम, बिना ''ब्रॉण्ड टैग'' के 1.2 लाख रूपये में सीधे ग्राहक को बेच रहे हैं। ये व्यापारी ग्राहक को यह भी समझाते जा रहे हैं कि इन आइटम्स में लगे माल की कीमत क्या है तथा चीन के कारीगरों के हुनर की कीमत को भी जोड़ दिया जाये तो भी बनाने का खर्च बिक्री के दाम का दसवां हिस्सा ही होगा।
- बाकी सारा पैसा अमेरिका के व्यापारियों का मार्क-अप व विज्ञापन खर्च है।
- इस रणनीति से ग्राहक के मन में लग्ज़री आइटम की घनघोर मुनाफा गिरी तो सामने आयी ही, साथ ही चीन के कारीगरों के हुनर व मेहनत का जायका भी देखने को मिला ग्राहक को। इससे, चीन का माल घटिया होने की छवि भी अपने आप खत्म होने लगी है।

एक डिजिटल आक्रमण, जो गति पकड़ रहा है, में कई चीनी निर्माताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें बताया गया है कि कैसे वो बिर्किन, लुई विटाँ, शनैल, एस्टी लॉडर और बॉब्बी ब्राउन जैसे अति प्रतिष्ठित लक्ज़री लेबल्स के लिए उच्च-स्तरीय उत्पाद तैयार करते हैं। ये वीडियो क्लिप न केवल उत्पादों में लगने वाले फाइन मटीरियल और कुशल कारीगरी को दर्शाते हैं, बल्कि इन ब्रांडों द्वारा उत्पादों में जोड़े गए भारी मुनाफे को भी उजागर करते हैं। इनमें से कई सप्लायरों ने कंपनी के ''लोगो'' के बिना सामान सीधे ग्राहकों को पेश करना शुरु कर दिया है, और इनके दाम आधिकारिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

पागल, प्रेमी और कवि की कल्पनाएँ एक सी होती हैं। –शेक्सपियर

राजस्थानी भाषा में प्राथमिक शिक्षा का आगाज: विलम्ब से ही सही उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम

राजस्थान सरकार ने पूर्व प्राथमिक कक्षाओं में राजस्थानी भाषा माध्यम से इसी सत्र से पढाई शुरू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जो शिक्षा, संस्कृति और बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है। कहते हैं जब जागो तब सवेरा, हालांकि यह कदम राज्य सरकार को बहुत पहले उठाना चाहिए था।

आजादी से पहले राजस्थान में शिक्षा व्यवस्था मुख्य रूप से गुरुकुल, पाठशाला, और धार्मिक संस्थानों तक सीमित थी। राजस्थानी भाषा में शिक्षा का प्रचार-प्रसार ज्यादा व्यवस्थित नहीं था। उस समय राजस्थानी को बोलचाल और साहित्य की भाषा के रूप में तो इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन औपचारिक शिक्षा में संस्कृत, फारसी, और बाद में अंग्रेजी का बोलबाला आ गया था। आज हालात ये हैं कि हिन्दी अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रणाली ने एक उम्र के बाद बच्चों को उनकी मातृभाषा से काट कर काफी दूर कर दिया है। आज के इस डिजिटल युग में राजस्थानी भाषा में ब्लॉग, वेबसाइट्स, और सोशल मीडिया के माध्यम से जरूर कुछ जागरूकता बढ़ी है। कुछ गैर-सरकारी संगठनों और साहित्यकारों ने राजस्थानी में पाठ्य सामग्री तैयार करने की कोशिश की है। राजस्थान सरकार ने समय-समय पर राजस्थानी को स्कूलों में पढ़ाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन इसे पूरी तरह कभी भी लागू नहीं किया गया।

फिलहाल राज्य सरकार यह योजना प्रायोगिक आधार पर नौ जिलों-सिरोही, डूंगरपुर, जयपुर, उदयपुर, पाली, राजसमंद, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा और चित्तौड़गढ़-में शुरू करने जा रही है और 2026 तक इसे 25 जिलों में विस्तार दिया जाएगा। वैसे तो यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप ही है, जो कक्षा 5 तक मातृभाषा में शिक्षा की वकालत करती है। यूनेस्को की 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, मातृभाषा में पढ़ाई बच्चों की सीखने की क्षमता को 30-40 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है। राजस्थान में राजस्थानी भाषा मारवाड़ी, मेवाड़ी, ढूंढाड़ी, मालवी, बागड़ी, शेखावाटी, ढूंढाड़ी और बृज जैसी उप-बोलियों में बंटी है। यह भाषा अभी तक संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं है, लेकिन राज्य सरकार की यह योजना इसे राष्ट्रीय मान्यता दिलाने की दिशा में अवश्य मदद करेगी। इस भाषा के आठवीं अनुसूची में शामिल होने के लिए व्यापक उपयोग होना पहली शर्त है। समृद्ध साहित्य और शैक्षिक उपयोग जैसे मानदंड भी जरूरी हैं, जिन पर राजस्थानी भाषा खरी उतरती है। इसके समृद्ध साहित्यिक का इतिहास प्राचीन है, जिसमें **'पृथ्वीराज रासो'** और चारण काव्य शामिल हैं। ऐसे में स्कूलों में राजस्थानी माध्यम से पढ़ाए जाने से इसका शैक्षिक महत्व बढ़ेगा, जिससे मान्यता की मांग को बल मिलेगा और केंद्र सरकार पर अच्छा खासा दबाव होगा। मणिपुरी और बोडो जैसी भाषाओं को भी शिक्षा में उपयोग के बाद मान्यता मिली थी और राजस्थानी के लिए भी यह संभव हो सकेगा।

इस योजना के कई लाभ हैं। सबसे बड़ा लाभ बच्चों का व्यक्तित्व विकास है। मनोवैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि मातृभाषा में पढ़ाई से बच्चे आत्मविश्वास और रचनात्मकता में बढ़ोतरी महसूस करते हैं। अपनी भाषा में पढ़ने से वे बिना भाषाई बाधा के विचार व्यक्त करते हैं, जिससे आत्मसम्मान बढ़ता है। यह ग्रामीण बच्चों के लिए खासतौर पर महत्वपूर्ण है, जो हिंदी या अंग्रेजी में असहज होते हैं। अपनी संस्कृति से जुड़ाव सांस्कृतिक गौरव पैदा करता है, जो व्यक्तित्व को मजबूत करता है। मातृभाषा में पढ़ाई जटिल अवधारणाओं को समझने में आसान बनाती है, जिससे तार्किक और रचनात्मक सोच विकसित होती है। स्वीडन और कनाडा में मातृभाषा आधारित शिक्षा ने शैक्षिक प्रदर्शन में बहुत सुधार दिखाया था। राजस्थान में भी ऐसा प्रभाव संभव है। यह योजना सांस्कृतिक संरक्षण में योगदान देगी जिससे राजस्थानी लोक गीत, कहावतें और कथाएं नई पीढ़ी तक पहुंचेंगी। इससे ड्रॉपआउट दर को कम होगी क्योंकि बच्चे अपनी भाषा में पढ़ाई से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। रोजगार के अवसर तो निश्चित ही बढ़ेंगे, क्योंकि राजस्थानी के शिक्षकों और शिक्षण सामग्री निर्माताओं की मांग बढ़ेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात होगी सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलना, क्योंकि अपनी भाषा से जुड़ाव आपसी समझ और सम्मान को प्रोत्साहित करती है। यह योजना सामाजिक समावेशिता भी बढ़ाएगी, खासकर बांसवाड़ा और डूंगरपुर, उदयपुर जैसे आदिवासी क्षेत्रों में, जहां बच्चे अक्सर हिंदी या अंग्रेजी के कारण स्कूल छोड़ देते हैं। हालांकि, चुनौतियां बहुत हैं इसे लागू करने में। राजस्थानी में प्रशिक्षित शिक्षकों की भारी कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी पहले से ही एक समस्या है, और विशेष प्रशिक्षण की जरूरत इसे और जटिल बना देगी। सरकार को गहरे और लम्बे प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने होंगे। पाठ्य सामग्री की कमी भी एक मुद्दा रहेगा जिसे समय रहते हल करना आवश्यक है। मानकीकृत पाठ्यपुस्तकें और शिक्षण सामग्री विकसित करने के लिए विशेषज्ञों की समिति चाहिए। हालांकि इसके लिए जरूरी कदम उठाए जा चुके हैं लेकिन उनका परीक्षण और मूल्यांकन तो तभी सामने आएगा जब बच्चे इसे ग्रहण करेंगे। राजस्थानी में उप-बोलियों के बीच सामंजस्य बिठाना चुनौतीपूर्ण है। एक सामान्य पाठ्यक्रम बनाना होगा, जो सभी बोलियों को समावेशी बनाए। अभिभावकों की मानसिकता भी बदलनी होगी, क्योंकि कई लोग अंग्रेजी या हिंदी को प्राथमिकता देते हैं।

समृद्ध साहित्य और शैक्षिक उपयोग जैसे मानदंड भी जरूरी हैं, जिन पर राजस्थानी भाषा खरी उतरती है। इसके समृद्ध साहित्यिक का इतिहास प्राचीन है, जिसमें 'पृथ्वीराज रासो' और चारण काव्य शामिल हैं। ऐसे में स्कूलों में राजस्थानी माध्यम से पढ़ाए जाने से इसका शैक्षिक महत्व बढ़ेगा, जिससे मान्यता की मांग को बल मिलेगा और केंद्र सरकार पर अच्छा खासा दबाव होगा।

अब तो ठेठ ग्रामीण इलाकों में भी अंग्रेजी के प्रति व्यामोह ने गहरी धुंध बना दी है। इसके लिए जागरूकता अभियान जरूरी हैं। निजी स्कूलों का रवैया एक बड़ी बाधा है। राजस्थान में निजी स्कूल अक्सर अंग्रेजी या हिंदी को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि अभिभावक इसे आधुनिक मानते हैं। सरकार राजस्थानी भाषा माध्यम शिक्षण को प्रोत्साहन दे सकती है, जैसे वित्तीय सहायता या मान्यता में लाभ। राजस्थानी को एक विषय के रूप में पढ़ाने का मॉडल अपनाया जा सकता है, जैसा कर्नाटक में कन्नड़ के साथ हुआ। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत दबाव बनाया जा सकता है, लेकिन सहयोगात्मक दृष्टिकोण बेहतर होगा। निजी स्कूलों के लिए प्रशिक्षण और सामग्री उपलब्ध करानी होगी। भारत के अन्य राज्यों में मातृभाषा आधारित शिक्षा की स्थिति अलग-अलग है। कर्नाटक में कन्नड़ प्राथमिक शिक्षा में अनिवार्य है, और निजी स्कूल भी इसे पढ़ाते हैं। यूडीआईएसई की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, 53.5 प्रतिशत से अधिक छात्र कन्नड़ में पढ़ते हैं, जिससे सांस्कृतिक गौरव और शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार हुआ है। तमिलनाडु में तमिल प्राथमिक स्तर पर मुख्य माध्यम है, जिससे बच्चों का सीखना आसान हुआ है। पश्चिम बंगाल में 89.9 प्रतिशत छात्र बंगाली में पढ़ते हैं, जो मातृभाषा शिक्षा का सशक्त उदाहरण है। असम में 91.1 प्रतिशत असमिया भाषी छात्र अपनी भाषा में पढ़ते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच बढ़ी है। ओडिशा में संथाली, हो, मुंडारी और कुड़ुख जैसी जनजातीय भाषाओं में शिक्षा दी जाती है, लेकिन शिक्षकों और सामग्री की कमी बाधा है। गुजरात में गुजराती मुख्य माध्यम है, जिससे बच्चों की समझ में सुधार हुआ है। केरल में मलयालम प्राथमिक शिक्षा में प्रचलित है, और शिक्षक प्रशिक्षण पर जोर दिया जाता है। छत्तीसगढ़ में हल्बी और सरगुजिया जैसी स्थानीय भाषाओं में पाठ्य सामग्री विकसित की गई है। हालांकि, उत्तर प्रदेश और बिहार में हिंदी और अंग्रेजी का दबदबा है, और भोजपुरी, मैथिली जैसी बोलियां शिक्षा में उपेक्षित हैं। मध्य प्रदेश में कुछ क्षेत्रों में गोंडी और भीली में पढ़ाई शुरू हुई है, लेकिन यह सीमित है। एक राजस्थानी कहावत है, **''ज्यूं नींव पक्को, त्यूं मकान सच्चो।''** यह शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को दर्शाती है। मातृभाषा में पढ़ाई बच्चों की नींव को मजबूत करती है, जो उनके भविष्य को स्थायी बनाती है।

चूंकि राजस्थानी को आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया, जिससे इसे आधिकारिक मान्यता और संसाधन नहीं मिले। स्कूलों में राजस्थानी को अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में लागू करने में कमी रही। हिंदी और अंग्रेजी के दबाव में राजस्थानी शिक्षा हाशिए पर रही। मानकीकृत व्याकरण और शब्दकोश के अभाव में भाषा का शैक्षिक विकास रुका गया। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की कमी और शहरी क्षेत्रों में हिंदी-अंग्रेजी की प्राथमिकता ने राजस्थानी के उपयोग को बहुत कम किया है।

यह योजना राजस्थानी को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। चुनौतियों का समाधान जरूरी है। पाठ्य सामग्री के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और स्थानीय लेखकों को शामिल किया जाना चाहिए। उप-बोलियों के लिए लचीला पाठ्यक्रम चाहिए। जागरूकता के लिए सामुदायिक रेडियो और सोशल मीडिया प्रभावी उपयोग होना चाहिए। निजी स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से शामिल करना होगा। अन्य राज्यों के अनुभव, जैसे कर्नाटक और तमिलनाडु, मार्गदर्शन दे सकते हैं। यह प्रयास बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ेगा, राजस्थानी को मान्यता दिलाएगा और सांस्कृतिक विरासत को बचाएगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक

राजनीतिक दल के आधारभूत अवयव: विचारधारा, संगठन ,कार्यकर्ता प्रशिक्षण व लोक शिक्षण

राजेश्वर सिंह

नागरिकों के लिए शांतिपूर्ण, सक्रिय, समृद्ध व सुखद अस्तित्व का सुनिश्चयन कैसे हो, इस संबंध में प्रत्येक संवेदनशील, जागरूक व विचारशील व्यक्ति के मन और मस्तिष्क में एक सुचिंतित, सुविचारित व सुनिश्चित अवधारणा होती है, जिसे हम उस व्यक्ति विशेष की विचारधारा के रूप में अभिहित करते हैं। समान विचारधारा के लोग नीति और कार्यक्रम के आधार पर संगठित होकर राजनीतिक दल को जन्म देते हैं। आदर्श रूप में प्रत्येक राजनीतिक दल में खुली सदस्यता, आंतरिक लोकतंत्र, सामूहिक विचार विमर्श द्वारा लोक नीति का निर्धारण, विचारधारा, नीति एवं कार्यक्रम के संबंध में कार्यकर्ता प्रशिक्षण की प्रणाली तथा लोक शिक्षण एवं लोक जागरण हेतु प्रचार- प्रसार और सघन जनसंपर्क की व्यवस्था होनी चाहिए।

स्वातंत्र्य पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर भारत में जिन राजनीतिक दलों का गठन हुआ ,उनमें भारतीय राष्ट्रीय कांठोस ,जनता दल के विभिन्न टुकड़ों तथा आम आदमी पार्टी को एक समूह में, सीपीआई,सीपीएम, फॉरवर्ड ब्लॉक व रिवॉशल्यूनरी सोशलिस्ट पार्टी को दूसरे समूह में, भारतीय जन संघ, हिंदू महासभा, राम राज्य परिषद तथा वर्तमान में सक्रिय भारतीय जनता पार्टी को तीसरे समूह में, शिवसेना व अकाली दल इत्यादि को चौथे समूह में तथा डीएमके, एआईडीएमके, असम गण परिषद इत्यादि को पांचवे समूह में वर्गीकृत किया जा सकता है। इनमें वामपंथी दल जहां कार्यकर्ता आधारित (काडर बेस्ड) हैं, भारतीय राष्ट्रीय कांठोस जन आधारित (मास बेस्ड) है, वहीं भाजपा में दोनों ही पद्धितयों का सम्मिश्रण है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रतिनियुक्त पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं तथा पार्टी के अंशकालिक कार्यकर्ताओं से मिलकर बनता है।

भारत के राजनीतिक दलों में ग्राम पंचायत स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक खुली सदस्यता व सांगठनिक चुनाव पर आधारित आंतरिक लोकतांत्रिक संरचना दिवास्वप्न ही है। पदाधिकारियों के कार्यकाल पर अधिकतम अवधि का सीमारोपण नहीं होना सबसे बड़ा दूषण है, जिससे विभिन्न दलों में व्यक्तिवाद और परिवारवाद की दुष्प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिलता है।

मेरी विनम्र राय में प्रत्येक राजनीतिक दल की प्राथमिक इकाई से लेकर राष्ट्रीय निकाय तक निर्वाचित अध्यक्षों को अधिकतम दो कार्यकाल से ज्यादा नहीं मिलने चाहिए और यही सिद्धांत सरपंच, प्रधान, प्रमुख, मेयर,मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री पर भी लागू होना चाहिए।

मुझे अमरीकी राष्ट्रपति प्रणाली की यह सबसे बड़ी विशेषता प्रतीत होती है जिसे भी वहां का वर्तमान तंत्र ध्वस्त करने की योजना बना रहा है। प्रत्येक राजनीतिक दल को जनसंख्या नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, सेवा क्षेत्र, रक्षा, विदेश नीति, सामाजिक न्याय व समावेशी विकास आदि के संबंध में अपनी रीति नीति सुस्पष्ट करनी चाहिए व इस संबंध में अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का एक व्यवस्थित तंत्र विकसित करना चाहिए।

इस व्यवस्थित तंत्र में स्थानीय स्तर पर कार्यरत पुस्तकालय व वाचनालय, स्टडी सर्किल, विचार गोष्ठी, पत्र- पत्रिकाओं का प्रकाशन, प्रमुख विचारको की जयंती एवं पुण्यतिथि आयोजित करना तथा इस माध्यम से पार्टी की विचारधारा, नीति एवं कार्यक्रम का प्रचार – प्रसार इत्यादि सम्मिलित किये जा सकते हैं। लोकतंत्र में लोक शिक्षण किसी भी राजनीतिक दल का प्रमुखतम दायित्व है।

यह तभी संभव है जब राजनीतिक दल जन सामान्य को सचेत व जागरूक बनाने की जिम्मेदारी का वहन करें। भावनात्मक मुद्दों के आधार पर चुनाव जीते जा सकते हैं व सरकार बनाई जा सकती है पर राष्ट्र व उसके नागरिकों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण नहीं किया जा सकता।

इसके लिए जन सामान्य का बौद्धिक एवं वैचारिक दृष्टि से सशक्त व समर्थ होना बहुत जरूरी है ताकि वे समुचित चिंतन, मनन व मंथन के उपरांत राष्ट्रीय हित व व्यापक जनहित में सर्वोत्तम राजनीतिक विकल्प का चयन कर सकें।

इसके लिए दलीय कार्यकर्ताओं का पार्टी के सिद्धांत, विचारधारा, नीति एवं कार्यक्रम की बारीकियों में निष्णात होना तथा उनके द्वारा सघन जनसंपर्क का कार्यक्रम हाथ में लिया जाना न केवल आवश्यक है अपितु अनिवार्य भी है।

इसी प्रकार पंचायती राज संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों से लेकर विधानमंडलीय एवं संसदीय चुनाव तक के प्रत्याशियों के चयन में दल की विधिवत निर्वाचित स्थानीय इकाइयों की सक्रिय, सशक्त व निर्णायक भूमिका होनी चाहिए।

पार्टी हाईकमान द्वारा ऊपर से प्रत्याशी थोपा जाना न केवल पार्टी की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रणाली का अपमान है वरन यह पार्टी कार्यकर्ताओं में धरातल पर जन समस्या समाधान में प्रवृत्त होने के बजाय बड़े नेताओं की परिक्रमा करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है। यदि हमें भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में आमूलचूल सकारात्मक व गुणात्मक परिवर्तन करना है तो यह आवश्यक है कि विभिन्न लेखक, विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, बुद्धिजीवी व सिविल सोसाइटी समूह उपर्युक्त बिंदुओं पर व्यापक जन जागरण व जनमत निर्माण हेतु पहलकदमी करें तथा अंततः सर्व दलीय बैठक के माध्यम से सर्व सहमति का निर्माण हो ताकि देश एवं दलों के संविधान में तदनुसार संशोधन किया जा सके व उक्त प्रारूप को अमलीजामा पहनाया जा सके।

राजेश्वर सिंह, आईएएस
(अवकाश प्राप्त)

राजस्थान में उच्च शिक्षा का स्वरूप

अशोक कुमार

राजस्थान में उच्च शिक्षा का स्वरूप विविधतापूर्ण और विकासशील है। यहां विभिन्न प्रकार के उच्च शिक्षा संस्थान मौजूद हैं, जिनमें विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी संस्थान, चिकित्सा संस्थान और कृषि संस्थान शामिल हैं।

विश्वविद्यालय:– राजस्थान में कई सरकारी और निजी विश्वविद्यालय हैं, जो विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं। इन विश्वविद्यालयों में सामान्य शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, कृषि शिक्षा और अन्य व्यावसायिक शिक्षा के कार्यक्रम शामिल हैं।

राजस्थान में विभिन्न क्षेत्रों के विश्वविद्यालयों के नाम निम्नलिखित हैं: सामान्य विश्वविद्यालय: राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर,जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर, राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवरविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा!

महाविद्यालय:– राजस्थान में बड़ी संख्या में सरकारी और निजी महाविद्यालय हैं, जो विभिन्न विषयों में स्नातक स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं।

ये महाविद्यालय विश्वविद्यालयों से संबद्ध होते हैं और उनके पाठ्यक्रम का पालन करते हैं।

तकनीकी संस्थान: राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा,बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोटा! तकनीकी संस्थान इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और अन्य तकनीकी विषयों में डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं।

चिकित्सा संस्थान: राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर! चिकित्सा संस्थान चिकित्सा, दंत चिकित्सा, आयुर्वेद और अन्य चिकित्सा विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं।

कृषि संस्थान: महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर,श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा! कृषि संस्थान कृषि, पशुपालन और अन्य कृषि विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं।

संस्कृत विश्वविद्यालय: जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर,

विधि विश्वविद्यालय: राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर, डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर !

खुला विश्वविद्यालय: वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा !

अन्य विश्वविद्यालय: सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान क्रीड़ा विश्वविद्यालय, झुंझुनू, हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर ,राजस्थान कौशल विश्वविद्यालय, जयपुर !

इसके अतिरिक्त, राजस्थान में कई निजी विश्वविद्यालय और डीम्ड विश्वविद्यालय भी हैं।

राजस्थान में उच्च शिक्षा की कुछ विशेषताएं: राजस्थान सरकार उच्च शिक्षा के विकास और विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। राज्य में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के लिए कई पहल की गई हैं।

राजस्थान में उच्च शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है। राजस्थान में उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

राजस्थान में उच्च शिक्षा की कुछ चुनौतियां:–

राजस्थान में उच्च शिक्षा में नामांकन दर अभी भी राष्ट्रीय औसत से कम है। इसके पीछे कई कारण हैं, जिनमें शामिल हैं:–

सामाजिक-आर्थिक कारक: राजस्थान में गरीबी और सामाजिक असमानता उच्च शिक्षा तक पहुँच को सीमित करती है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। लड़कियों की शिक्षा को अक्सर प्राथमिकता नहीं दी जाती है, जिससे उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी कम हो जाती है।

शिक्षा की गुणवत्ता: कुछ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी है, जिससे छात्रों का रुझान कम हो जाता है। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों की कमी भी नामांकन दर को प्रभावित करती है।

बुनियादी ढांचा: कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा संस्थानों तक पहुँचने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे की कमी है। दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा के अवसरों की कमी भी उच्च शिक्षा तक पहुँच को सीमित करती है।

सरकार के प्रयास:–राजस्थान सरकार उच्च शिक्षा में नामांकन दर बढ़ाने के लिए कई प्रयास कर रही है, जिनमें शामिल हैं: नए उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना करना।मौजूदा संस्थानों में बुनियादी ढांचे में सुधार करना। छात्रवृत्ति और अन्य वित्तीय सहायता प्रदान करना।व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना। लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करना।

इन प्रयासों के बावजूद, राजस्थान में उच्च शिक्षा में नामांकन दर को राष्ट्रीय औसत तक लाने के लिए अभी भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।

राजस्थान में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार की आवश्यकता है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण पहलू दिए गए हैं:

गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता:–शिक्षण गुणवत्ता: अध्यापकों के प्रशिक्षण और विकास पर ध्यान देना आवश्यक है।शिक्षण विधियों को अद्यतन करना और उन्हें अधिक प्रभावी बनाना चाहिए।अध्यापकों की जवाबदेही और प्रदर्शन मूल्यांकन को सुनिश्चित करना चाहिए।

अवसंरचना: उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाना चाहिए। तकनीकी संसाधनों और इंटरनेट कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करना चाहिए।

अनुसंधान: अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अधिक निवेश करना चाहिए। अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। अनुसंधान के लिए आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

प्रासंगिकता में सुधार की आवश्यकता: उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रम: पाठ्यक्रमों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार अद्यतन करना चाहिए। व्यावसायिक और कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। छात्रों को इंटर्नशिप और व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना चाहिए।

रोजगार योग्यता: छात्रों को रोजगार योग्य कौशल प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए। उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करना चाहिए। नई तकनीकी शिक्षा पर भी जोर देना चाहिए।

सामाजिक प्रासंगिकता: शिक्षा को सामाजिक मुद्दों और चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाना चाहिए।छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिकता के मूल्यों को सिखाना चाहिए।

सुधार के लिए उठाए जाने वाले कदम:सरकारी नीतियाँ: उच्च शिक्षा में सुधार के लिए स्पष्ट और प्रभावी नीतियाँ लागू करनी चाहिए।उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता और जवाबदेही देनी चाहिए। शिक्षा में निजी निवेश को भी बढ़ावा देना चाहिए।

शैक्षिक संस्थान: शैक्षिक संस्थानों को गुणवत्ता सुधार के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। अध्यापकों और छात्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए।

छात्रों के लिए आधुनिक शिक्षा की व्यवस्था करनी चाहिए।

राजस्थान में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार करके, राज्य न केवल अपने छात्रों के भविष्य को बेहतर बना सकता है, बल्कि अपने आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा दे सकता है।

राजस्थान में उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अधिक निवेश की आवश्यकता है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण बिंदु दिए गए हैं:अनुसंधान और नवाचार का महत्व: आर्थिक विकास: अनुसंधान और नवाचार से नए उद्योग और रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। यह राज्य की अर्थव्यवस्था को प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करता है। सामाजिक विकास: अनुसंधान से सामाजिक समस्याओं के समाधान खोजने में मदद मिलती है।यह जीवन की गुणवत्ता में सुधार करता है। शैक्षिक विकास: अनुसंधान से ज्ञान का विस्तार होता है और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होता है।यह छात्रों को आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने में मदद करता है।

राजस्थान में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उठाए जाने वाले कदम: निवेश में वृद्धि: अनुसंधान और विकास के लिए सरकारी और निजी निवेश में वृद्धि करनी चाहिए। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को पर्याप्त धन उपलब्ध कराना चाहिए। अवसंरचना का विकास:आधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और अन्य अनुसंधान सुविधाओं का निर्माण करना चाहिए। प्रौद्योगिकी और इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार करना चाहिए। सहयोग को बढ़ावा देना: विश्वविद्यालयों, उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के साथ साझेदारी स्थापित करनी चाहिए।उद्यिमता को प्रोत्साहित करना: छात्रों और शोधकर्ताओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्टार्टअप और नवाचार केंद्रों को समर्थन देना चाहिए। नीतियों का निर्माण: अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी नीतियाँ बनानी चाहिए। बौद्धिक संपदा अधिकारों को संरक्षित करने के लिए उपाय करने चाहिए।

प्रशिक्षित मानव संसाधन का विकास: अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों को प्रशिक्षित करना चाहिए। शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के लिए करियर के अवसर प्रदान करने चाहिए।

राजस्थान सरकार द्वारा प्रयास: राजस्थान सरकार ने उच्च शिक्षा में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। फिर भी, इस दिशा में और अधिक निवेश और प्रयासों की आवश्यकता है ताकि राज्य एक महत्वपूर्ण अनुसंधान और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित हो सके। एक महत्वपूर्ण मुद्दा है कि राजस्थान में उच्च शिक्षा में निजी संस्थानों की फीस एक बड़ी समस्या है। इसके कई कारण हैं और इसके समाधान के लिए कई सुझाव दिए जा सकते हैं।

समस्या के कारण:–अत्यधिक फीस: कई निजी संस्थान अत्यधिक फीस वसूलते हैं, जो अधिकांश छात्रों और उनके परिवारों के लिए वहन करना मुश्किल होता है। कुछ संस्थान तो कैपिटेशन फीस भी लेते हैं, जो गैरकानूनी है। पारदर्शिता की कमी: फीस संरचना में पारदर्शिता की कमी है, जिससे छात्रों और उनके परिवारों को फीस के बारे में पूरी जानकारी नहीं मिल पाती है।फीस में अचानक वृद्धि भी एक समस्या है। विनियमन का अभाव: निजी संस्थानों की फीस को विनियमित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव है। सरकार द्वारा लागू किए गए नियमों का पालन नहीं किया जाता है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 17 अप्रैल, 2025

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र शुक्रवार प्रातः 8:21 तक, वारियान योग रात्रि 12:50 तक, बालव करण दिन 3:24 तक, चन्द्रमा वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:40 तक, चर 10:51 से 12:26 तक, लाभ-अमृत 12:26 से 3:37 तक, शुभ 5:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:48

मेष

घर-परिवार की परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा, भागदौड़ रहेगी। आज शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन व्यथित हो सकता है। स्वभाव पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

सिंह

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

कन्या

व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। विवादित मामलों का निपटाने का प्रयास करें। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सार-समाचार

झोपड़ियों में लगी आग पर काबू पाया

कोटा, (निसं)। गर्मी की शुरूआत होते ही आगजनी की घटना बढ़ने लगी है। शहर के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में सड़क किनारे बनी मजदूरों की झोपड़ियों में आग लग गई। जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। आग की छह-छह फीट ऊंची लपटें दिखाई देने लगी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी। सूचना पाते ही अग्निशमन विभाग की दमकलें मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया तब तक एक दर्जन झोपड़ियां और उनमें रखा समान जलकर राख हो गया। गनीमत रही दोपहर का समय होने के कारण टापरियों में मजदूर नहीं थे। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर में कुछ मजदूरों ने झोपड़ियां बना रखी है। बुधवार दोपहर के समय झोपड़ियों में आग की सूचना मिली जिस पर मौके पर दमकलें भेजी गई। उन्होंने बताया कि आग की चपेट में आने से 10-12 झोपड़ियां जल गई। झोपड़ियां खाली होने से कोई जनहानि नहीं हुई।

पुलिस स्थापना दिवस समारोह सपन्न

कोटा, (निसं)। जिला स्तरीय पुलिस स्थापना दिवस समारोह बुधवार को प्रातःपुलिस लाइन में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. अमृता दुहन रहीं। इस अवसर पर सेरेमोनियल परेड प्रदर्शन किया गया एवं सराहनीय सेवा के लिए 104 पुलिसकर्मियों को उत्तम सेवा पदक प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक शहर डॉ.अमृता दुहन ने परेड की सलामी ली व निरीक्षण किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पुलिस आमजन के विश्वास और अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ ही आदर्श पुलिस की परिकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने पुलिस द्वारा श्रेष्ठ कर्तव्य निर्वहन एवं उत्कृष्ट कार्यो के लिए उनका मनोबल बढ़ाया। साथ ही, भविष्य की चुनौतियों के लिए और भी प्रतिबद्धता के साथ तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने सम्मानित हुए पुलिस कर्मियों को शुभकामनाएं दी और उनका मनोबल बढ़ाया। परेड में कोटा शहर द्वितीय बटालियन आरएसी एवं कोटा व कोटा ग्रामीण की महिला प्लाटून ने भाग लिया। परेड का नेतृत्व उपनिरीक्षक दुर्गाशंकर ने किया। पुलिस दिवस के उपलक्ष में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें 141 यूनिट ब्लड संग्रहण हुआ। पुलिस परेड ग्राउंड परिसर में पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर सभी एडिशनल एसपी, थाना अधिकारी, एसओजी, एटीएस, सीआईडी सी बी सहित सभी प्रकोष्ठों के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गोपाल सोनी ने किया।

टीम जीवनदाता द्वारा भीषण गर्मी में भी मदद का सिलसिला जारी

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता द्वारा लोगों को भीषण गर्मी में भी रक्तदान एवं एसडीपी के माध्यम से उनकी सेवा का क्रम निरंतर जारी है। टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि कोटा एक निजी अस्पताल में भर्ती गुना मध्यप्रदेश के एक मरीज गिर्राज की प्लेटलेट महज 10 हजार रह गई थी। परिजन एबी पॉजिटिव ग्रुप की एसडीपी लिए परेशान हो रहे थे, ऐसे में उनके रिश्तेदार हेमंत प्रजापत को टीम जीवनदाता के कांटेक्ट नंबर कहीं से मिला। टीम जीवन दाता से संपर्क किया, भुवनेश गुप्ता ने उनके संपर्क में काफी लोगों को कॉल किया। अंत में किराना व्यवसायी रोहित गोयल को कॉल किया तो वह अपनी दुकान पर बैठे थे, दोपहर का समय था, उस समय दुकान पर कोई सहयोगी भी नहीं था, लेकिन जब मरीज की स्थिति गंभीर बताई गई तो वह दुकान मंगल कर सीधे ही अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंच गए। उन्होंने 30वीं बार एसडीपी डोनेट की है, जबकि वह 17 बार ब्लड डोनेशन कर चुके हैं। रोहित गोयल का कहना है कि जीवन से बड़ा कुछ नहीं है, ऐसे में मदद करना ही सर्वोपरि है, किसी के जीवन में जीवन बचाने के काम आए तो इससे बड़ा पुण्यकार्य नहीं हो सकता।

मंदिर से चोरों ने आभूषण चुराए

भवानीमंडी, (निसं)। प्राचीन अन्नपूर्णा माता मंदिर में चोरों ने करीब आधा किलो चांदी के मुकुट और छत्र चोरी कर लिए। यहां तक कि चोरों ने सोने के आभूषण के चक्कर में नकली आभूषण भी नहीं छोड़े। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हो गयी है। मंदिर में चोरी को लेकर ग्रामवासियों में रोष है। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भवानीमंडी सर्किल के मिश्ररौली कस्बे में स्थित अन्नपूर्णा माता मंदिर को अज्ञात चोरों ने बीती रात को अपना निशाना बनाते हुए मंदिर का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और वहां माता की प्रतिमा के यहां लगे चांदी के मुकुट और छत्र सहित करीब आधा किलो चांदी के आभूषण चुरा कर फरार हो गए। सुबह पुलिस को जानकारी मिलने के बाद वहाँ पुलिस उपअधीक्षक प्रेमकुमार चौधरी पहुंचे और मामले की जाँच कर चोरों की तलाश के लिए टीम गठित की है। गौरतलब है की यह झालावाड़ जिले का सबसे प्राचीन मंदिर से जहाँ क्षेत्र के लोगों में माता के प्रति खूब आस्था है।

राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया

कोटा, (निसं)। रामपुरा कन्या महाविद्यालय कोटा की छात्राओं द्वारा उनके प्रिंसिपल पर लगाएं गए उत्पीड़न के आरोपों को लेकर कोटा के कांग्रेसजनों ने प्रिंसिपल को पद से हटाने और मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। कांग्रेस जन जिला कांग्रेस महामंत्री विपिन बरथुनिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय भान सिंह शक्तावत और सचिव राजू पहाड़िया ने ज्ञापन देकर कहा कि 7 अप्रैल को महाविद्यालय की छात्राओं में शिक्षा निदेशक को प्रिंसिपल के खिलाफ मय सबूत शिकायत दर्ज कराई थी पर आज तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई मामले की संवेदनशीलता तो देखते हुए कांग्रेसजनों ने आवाज उठाई है। राज्यपाल से मांग की हैं, कि प्रिंसिपल को पद से हटाकर महिला आयोग पुलिस प्रशासन और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मिलकर इस मामले की जांच करें और प्रिंसिपल को गिरफ्तार करें।

छबड़ा में केट वूमेन विंग का शुभारंभ

छबड़ा (निसं)। बारां, कोटा, उदयपुर प्रभारी सुमन गोयल ने पांच सदस्यीय टीम के साथ छबडा पहुंचकर विधिवत् केट बिजनेस वूमेन विंग का शुभारंभ किया। यहां सर्वसम्मति से छबड़ा-छीपाबडौद अध्यक्ष अनामिका जैन को बनाया गया। कार्यक्रम में बारां से आई सुमन गोयल, ललिता टोंगया, अनिता सेठी, चंदा ठाकुरिया, बारां कोषाध्यक्ष चारु गुप्ता ने नव निर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत-सम्मान किया। यहां उर्मिला मित्तल, विश्वा सोनी, नीति सोनी, मिही नामदेव, पूजा शर्मा, तनिशा षर्मा, षिल्पी षर्मा, अंतिमा षर्मा, रीती सोनी सहित अन्य सदस्यों ने संस्था की सदस्यता ग्रहण करने पर हर्ष व्यक्त किया। आगामी बैठक में छबड़ा की कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

झालावाड़ (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई एवं उनके त्वरित निस्तारण के लिए अप्रैल माह के तृतीय गुरूवार 17 अप्रैल को प्रातः 11 बजे मिनी सचिवालय स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र के वीसी रूम में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जिसमें परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल के लम्बित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की जाएगी।

बाइक चोरी हुई

छबड़ा (निसं)। बाईक चोरी का क्रम थमने का नाम नही ले रहा हैं। तीन दिन पूर्व मोती कॉलोनी से बाईक चोरी हो गई। राकेश कुमार सोनी ने बताया कि तीन दिन पूर्व मोती कॉलोनी स्थित घर के सामने खड़ी बाइक चोरी हो गई। जिसकी उन्होंने तलाश भी की, किंतु कहीं नही मिली। उन्होंने थाने मे प्रकरण दर्ज करवा दिया हैं।

गलतियों से सबक लें और आगे बढ़ें, सफलता जरूर मिलेगी : डॉ. रविन्द्र गोस्वामी

कोटा, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने कहा कि गलती करने से डरो मत। गलती सबसे हो सकती है लेकिन आप अपनी गलतियों से सबक लेकर आगे बढ़ते है तो सफलता जरूर मिलती है। डॉ. गोस्वामी बुधवार दोपहर मोशन एजुकेशन के द्रोणा-2 कैम्पस में कोचिंग विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्टूडेंट्स के साथ अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव बांटे। हंसी-मजाक की, उनकी बात सुनी और सवालों के जवाब दिए। जिला कलेक्टर ने कहा

- **जिला कलेक्टर डॉ. गोस्वामी ने मोशन एजुकेशन के स्टूडेंट्स को दिए कामयाबी के गुर**

कोटा जिला कलेक्टर ने कोचिंग स्टूडेन्टस से संवाद किया।

कि आप कोटा में पढ़ने आए हैं। इसलिए रोज पढ़ो और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहो। सलेक्शन जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा-जीवन में जो करों दिल से करों। भले ही मन का ना हो पर पक्का है, आपके लिए जो होगा, सबसे बेहतर ही होगा।

पढ़ाई के लिए समय कैसे तय करें:-याद रखें, हमें कुछ समय पढ़ाई करना बहुत अच्छा लगता है। उसके बाद एवरेज और फिर बोरिंग। जिस समय पढ़ना सबसे अच्छा लगता है, उसमें सबसे टफ सब्जेक्ट पढ़ें। तीनों सब्जेक्ट रोज पढ़ें। हर सवाल को एनालाइज करने की कोशिश करें। सवाल क्या हैं, किस टॉपिक से लिया गया है... दरअसल हर सवाल कुछ सिखाता है, तो क्या सिखा रहा है, यह देखें। लास्ट मिनिट रिवीजन के लिए छोटे नोट्स बनाएं। 5-10 पन्नों के हो सकते हैं। परीक्षा के समय यह बहुत उपयोगी साबित होंगे।

पढ़ाई के लिए शौक खत्म ना करें:-इस सवाल पर डॉ.गोस्वामी ने कहा कि शौक रहना जरूरी है। यदि खेलना अच्छा लगता है तो कुछ समय उसके लिए निकालें। पेंटिंग, मूवीज, लिखना जो भी शौक हो, उसे साथ-साथ रखें।

मोबाइल का लिमिटेड उपयोग ही करें:-इस सवाल पर डॉ.गोस्वामी ने कहा कि यह समस्या बहुत बड़ी है। हम मोबाईल बहुत देर तक देख लेते हैं और जब छोड़ते हैं तो फीलिंग ऑफ डिसअपॉइंटमेंट आती है, इसलिए लिमिटेड उपयोग करना शुरू करें। मोबाईल ही नहीं हर आदत पर कंट्रोल करना आना चाहिऐं।

पढ़े को ऐसे याद रखें:-एक छात्र ने कलेक्टर से कहा कि उसे पढ़ाई के बाद भी आत्मविश्वास नहीं आ पाता और अपनी तैयारी पर शंका बनी रहती है। इस पर कलेक्टर ने जवाब में कहा कि तैयारियों पर शंका होना सामान्य है। इसमें घबराने की आवश्यकता नहीं है। पढ़े को याद रखने के सवाल पर कलेक्टर ने जवाब दिया-लिख-लिखकर पढ़ाई करें, खूब प्रेक्टिस करो, रिवीजन करों, कुछ नहीं भूलोगे।

टेस्ट जरूर दें:-जिला कलेक्टर गोस्वामी ने कहा कि सभी विद्यार्थियों की अपनी क्षमता है, लेकिन जो टॉपिक आपको मुश्किल लगता है उसके टेस्ट जरूर दें, ताकि गलतियों से सीखा जा सके।

अवैध मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार

भवानीमंडी, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ पुलिस थाना भवानीमंडी ने कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ 1 किलो 920 ग्राम गांजा जप्त कर आरोपी इकबाल को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थ तस्करी एवं अवैध हथियारों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु जिले में थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इन्ही निर्देशों की पालना में पुलिस थाना अधिकारी रमेशचंद मीणा ने भवानीमंडी टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये दौराने नाकाबंदी अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करते हुये आरोपी इकबाल को गिरफतार कर आरोपी के कब्जे से 1 किलो 920 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसाईकिल जप्त करने में सफलता प्राप्त की है।

किसानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल लगाने की मांग

कोटा, (निसं)। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश नायक रघुवंशी की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने कोटा मंडी में अनाज बेचने आए किसान रामप्रसाद धाकड़ से रायपुरा चौराहे पर हुई मारपीट के विरोध और हमलावरों की गिरफ्तारी के साथ किसानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनाती की मांग को लेकर एडीएम कृष्णा शुक्ला को ज्ञापन सौंपा।

नायक ने बताया कि भारत में किसान को अन्नदाता धरतीपुत्र देवता माना जाता है और पुलिस की लापरवाही के कारण बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था से अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके है कि वो भरे बाजार या पुलिस की उपस्थिति वाले चौराहों पर भी आपराधिक वारदातों को अंजाम देते हुए किसानों से मारपीट कर रहे है साथ ही रायपुरा चौराहे पर पुलिस सिर्फ चालान काटने के नाम पर राहगीरों से पैसे की वसूली में लगी रहती है और जाम खुलाने के नाम पर नागरिकों से अभद्र व्यवहार करती है परन्तु पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण पर कोई ध्यान नहीं है इसी कारण बारां के गुलाबपुरा से कोटा मंडी में अपनी उपज बेचने आए किसान रामप्रसाद नागर के साथ समाज कंटको ने जानलेवा मारपीट की और पुलिस मूकदर्शक बनी रही।

समाजसेवी अरविंद यादव और भाजपा नेता घनश्याम ओझा ने बताया कि पुलिस अपराधियों से मिलीभगत करके आमजन में भय और अपराधियों में विश्वास की परिपाटी पर चल रही है। हाल ही में अहिंसा सर्किल पर हुए हत्याकांड के आरोपी पकड़ में भी नहीं आऐं किसान के साथ हुई मारपीट के हमलावरों का गिरफ्तार नहीं होना पुलिस की नाकामी और अपराधियों से सांठ-गांठ को दर्शाता हैं, इसीलिए ज्ञापन के माध्यम से किसान रामप्रसाद के हमलावरों की तुरन्त गिरफ्तारी के साथ-साथ मंडी में आने वाले किसानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल लगाने की मांग की गई। इस अवसर पर युवा नेता राहुल मीणा, नरेंद्र पुरी, धवन दवाला, जितेंद्र कश्यप, सतीश गोचर, लालचंद नायक, नवीन खत्री, सुनील शर्मा, विक्की नायक, लोकेश गुप्ता, मोनू पांचाल आदि उपस्थित रहे।

पुलिस स्थापना दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान व पौधारोपण किया

कोटा, (निसं)। जिला स्तरीय पुलिस स्थापना दिवस समारोह का आयोजन बुधवार को पुलिस लाईन में आयोजित किया गया। पुलिस स्थापना दिवस समारोह के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किये गये।

पुलिस अधिकारियों व जवानों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया और पुलिस लाईन में अधिकारियों व जवानों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर शहर पुलिस लाईन में सेरेमोनियल परेड़ का आयोजन किया गया। जिसमें कोटा शहर की एक प्लाटून, एक प्लाटून द्वितीय बटालियन आरएसी एवं कोटा ग्रामीण की एक महिला प्लाटून सहित कुल तीन प्लाटून ने परेड़ में भाग लिया। परेड़ का नेतृत्व पुलिस लाईन के उपनिरीक्षक

- **105 पुलिस जवानों का सम्मान हुआ**

दुर्गाशंकर द्वारा किया गया। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने परेड़ की सलामी ली व निरीक्षण किया। इस दौरान उत्तम सेवा के लिये शहर के 105 पुलिसकर्मीयों को सेवा पदक व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में शहर एसपी, एएसपी, पुलिस उपअधीक्षक एवं थानाधिकारी सहित जिले भर के पुलिस अधिकारी व पुलिस जवान मौजूद रहे।

इस अवसर पर शहर एसपी अमृता दुहन सहित पुलिस अधिकारियों व जवानों द्वारा 141 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान किया गया साथ ही पुलिस लाईन में पौधारोपण किया गया। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने पुलिस जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा व्यवहार शालीन एवं निष्पक्ष हो। आम नागरिकों के मन में पुलिस व कानून के प्रति विश्वास पैदा करें और असमाजिक तत्वों व अपराधियों के मन में कानून का भय पैदा करें।

ग्रामीण पुलिस लाईन में हुआ आयोजन:- वहीं राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने रक्तदान किया एवं ग्रामीण पुलिस लाईन में पौधारोपण भी किया। इस मौके पर कोटा ग्रामीण पुलिस द्वारा क्विज प्रतियोगिता रखी गई थी जिसके विजेताओं को ग्रामीण एएसपी ने पुरूस्कार देकर सम्मानित किया।

चाकूबाजी की घटना में वांछित चार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सुलतानपुर थाने में दर्ज चाकूबाजी के प्रकरण मे पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए वांछित चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पुलिस टीम पूर्व में इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

कोटा ग्रामीण के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने बताया कि 7 अप्रैल को सुलतानपुर थाना इलाके में फरियादी सतीश कुमार पर हुई चाकूबाजी के मामले में सुल्तानपुर थानाधिकारी सत्यनारायण मालव के नेतृत्व में गठित टीम ने वांछित चल रहे आरोपी सरफराज उर्फ टन्नू, मोहम्मद साहिल, साबिर तीनों हाडा मार्केट सुलतानपुर के निवासी है एवं एक अन्य गिरफ्तार आरोपी ओडपुरा बस्ती थाना कोतवाली जिला बांरा निवासी शाहिल है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जिला कलेक्टर ने शहर में संचालित विकास कार्यों का जायजा लिया

बूंदी (निसं)। बूंदी शहर में चल रहे सीवरेज कार्य, जैतसागर नाला निर्माण, खेल संकुल में मल्टीपरपज हॉल एवं अन्य विकास कार्यों का बुधवार को जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने जायजा लिया और कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा करवाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने खेल संकुल में तरणताल का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए कि यहां तैराकी के लिए कोच की व्यवस्था की जावें। साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि पानी की टंकियों से पानी का ओवरफ्लो नहीं हो। उन्होंने चित्तौड रोड क्षेत्र में किए जा रहे सीवरेज कार्य का निरीक्षण कर अब तक किए गए कनेक्शन के बारे में जानकारी ली और निर्देश दिए कि सीवरेज कार्य के बाद सड़कों की मरम्मत का कार्य गुणवत्ता के साथ किया जावें। साथ ही कार्य को पूरा करने में समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जावें।

बूंदी शहर में चल रहे सीवरेज कार्य, जैतसागर नाला निर्माण, खेल संकुल में मल्टीपरपज हॉल एवं अन्य विकास कार्यों का जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने जायजा लिया।

उन्होंने नवल सागर झील पर पर्यटन विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण कर निर्देश दिए कि यहां लाइट और साउंड शो के लिए नगर परिषद के माध्यम से बिजली कनेक्शन शीघ्र करवाया जावें। इसके अलावा झील के किनारों तथा झील के पानी को साफ करवाया जावें।

इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय में करवाए जा रहे मेडीकल कॉलेज के भवन निर्माण कार्य का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने के लिए निर्देश दिए।

महावीर कॉलोनी व मजिस्ट्रेट कॉलोनी क्षेत्र में श्रमिकों की टीमें बढ़ाएं:- जिला कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान जैतसागर नाला निर्माण कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने महावीर कॉलोनी व मजिस्ट्रेट कॉलोनी में नाला निर्माण की गति बढाने के लिए और अधिक टीमें लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाला निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि बारिश के दौरान आमजन को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। इसके अलावा जेसीबी और ट्रेक्टरों की संख्या में भी इजाफा किया जाए, ताकि नाला निर्माण के दौरान हटाए गए कचरे को शीघ्र उठवाया जा सकें। इसके बाद जिला कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर भी नाला निर्माण कार्य का जायजा लिया।

सार-समाचार

अनूठे डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाई

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक कार्यालय में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रभात के मार्गदर्शन में भारतीय रेल के स्थापना दिवस के अवसर पर अनूठे डाक टिकटों की एक खास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में डाक टिकट संग्रहकर्ता अरविन्द मलिक द्वारा सन् 1853 से अभी तक के भारतीय रेल से संबंधित डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाई गई। यह आयोजन मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) एसडी पाटीदार के निर्देशन एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) अजय कुमार दीक्षित के संरक्षण में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (मुख्यालय) द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में भारतीय रेल द्वारा अर्जित विशेष उपलब्धियों के अवसर पर जारी डाक टिकटों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। इनमें पहली यात्री रेल, विद्युतकर्षण के 75 गौरवपूर्ण वर्ष, भारतीय रेल के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जारी डाक टिकट प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अवलोकन किया।

नरेन्द्र सिंघल एन.ओ.बी.डब्ल्यू की अखिल भारतीय कार्यकारिणी में चयनित

कोटा, (निसं)। देव भूमि वृंदावन में एन.ओ.बी.डब्ल्यू. का 21वां त्रैवार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसका शुभारम्भ डॉ.संजीव कृष्ण ठाकुर एवं साधवी रितम्भरा की शिष्या साधवी समाहिता के आर्शीवचन से हुआ। सम्मेलन में देशभर से आए हुए नेशनल ऑर्गेनाईजेशन ऑफ बैंक वर्कस के बैंककर्मियों द्वारा विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श एवं मंथन किया गया। सम्मेलन के अंत में नई कार्यकारिणी का चयन किया गया जिसमें राजस्थान प्रदेश से अखिल भारतीय स्तर पर केंद्रीय कार्यकारिणी में नरेंद्र सिंघल, पंजाब नेशनल बैंक, कोटा को कार्यसमिति सदस्य चुना गया। नरेन्द्र सिंघल वर्तमान में एन.ओ.बी.डब्ल्यू से सम्बद्ध पंजाब नेशनल बैंक वर्कस ऑर्गेनाईजेशन राजस्थान के महासचिव है।

कपड़ा व्यापार संघ के चुनाव संपन्न

कोटा, (निसं)। इंद्रा मार्केट कपड़ा व्यापार संघ के चुनाव बुधवार को सम्पन हुए, जिसमें राजकुमार पेशवानी अध्यक्ष एवं रूपनारायण श्रृंगी सचिव पद पर चुने गए साथ ही कैबिनेट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हीरानंद सुखवानी, उपाध्यक्ष इमरान अली, कोषाध्यक्षा ओम प्रकाश गुलिया एवं सह सचिव पद पर निसार अहमद निर्वाचित घोषित किए गए। मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट देवेन्द्र वर्मा एवं सह-चुनाव अधिकारियों द्वारा इंद्रा मार्केट के निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराए गए।

कार्यालय नगर निगम कोटा उत्तर (राज0)
email : nnkota@gmail.com, websites : www.kotamc.org

क्रमांक :- ननिको(उ)/निर्माण/2025/2946-60 दिनांक :- 09/04/2025

ई-निविदा सूचना

नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा विभिन्न राजकीय अभियांत्रिकी विभागों के पंजीकृत "A", "AA" श्रेणी एंव नगर निगम कोटा उत्तर में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा कुल 02 कार्य हेतु ई-निविदा सूचना संख्या-03/2025-26 से सम्बन्धित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत, निविदा बैचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण सम्पूर्ण विवरण नगर निगम कोटा उत्तर की वेबसाइट www.kotamc.org, http/eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB No. DLB2526A0347,
UBN No. : DLB2526WSOB01427, DLB2526WSOB01428

अधिशाषी अभियन्ता
नगर निगम कोटा-उत्तर

राज.संवाद/सी/25/786

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक: LU2012/KOT/2025-26/100932 **लोक सूचना** दि.16.04.2025

श्री VINEET BAKHSHI पुत्र श्री V.P. BAKHSHI जाति BAKHSHI निवासी 131, DASHERA MEDAN, KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का **अन्य संस्थानिक** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	देवली अरब, लाडपुरा (कोटा)	GOVINDRAM MEMORIAL EDUCATION SOCIETY	125	1400	0.14
2.	देवली अरब, लाडपुरा (कोटा)	GOVINDRAM MEMORIAL EDUCATION SOCIETY	126	4000	0.4
3.	देवली अरब, लाडपुरा (कोटा)	GOVINDRAM MEMORIAL EDUCATION SOCIETY	127	4500	0.45
				कुल	0.99

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 16/4/2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कार्यालय नगर निगम, कोटा-दक्षिण, कोटा, राजस्थान

क्रमांक:-ननिको-द./उपायुक्त जोन द्वितीय/भ.नि.अनु./2025/667-68 दिनांक: 16.4.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सरिता सिंघल पत्नी स्व. श्री धीरज कुमार निवासी बी-10 फ्लैट नं. एल-1239 वृन्दा गार्डन्स जेएनयू के पास जगतपुरा जयपुर द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या एम.पी.बी. 58 महावीर नगर प्रथम योजना कोटा क्षेत्रफल 2532.68 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का आवेदन किया है। भूखंड संख्या एम.पी.बी. 58 महावीर नगर प्रथम योजना कोटा क्षेत्रफल 2532.68 वर्गफुट का कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा आदेश क्रमांक 38578 दिनांक 05.12.2022 को श्री धीरज गुप्ता पुत्र श्री सुशील कुमार गुप्ता एवं श्रीमती सरिता सिंघल पत्नी श्री धीरज गुप्ता के पक्ष में किया गया है। श्री धीरज गुप्ता की मृत्यु दिनांक 01.06.2023 को हो जाने के उपरांत उनके विधिक वारिसान 1. सुश्री अन्वेशा गुप्ता 2. सुश्री अनन्या गुप्ता द्वारा पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 05.07.2024 से उक्त भूखंड में निहित स्वयं के हिस्से का हक आवेदक श्रीमती सरिता सिंघल के पक्ष में त्याग दिया गया है। उक्त भूखंड संख्या एम.पी.बी. 58 महावीर नगर प्रथम कोटा का नामांतरण चाहा गया है। उक्त भूखंड संख्या एम.पी.बी. 58 महावीर नगर प्रथम कोटा आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त द्वितीय कक्ष में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11 विक्रय/2025/665 **विज्ञप्ति** दिनांक:- 22.01.2025

नगर विकास न्यास कोटा की योजना केशवपुरा-7 व्यावसायिक प्लेटफार्म संख्या 37 को आवंटन/ न्यास के पत्र क्रमांक 137 दिनांक 20.12.1996 को श्री महावीर गोस्वामी पुत्र श्री बंकर बिहारी गोस्वामी को आवंटन किया गया था। उक्त प्लेटफार्म का मुख्तारनामा दिनांक 05.03.2009 को श्री रामचरण प्रजापत पुत्र श्री प्रभूलाल प्रजापत के नाम किया गया था मुख्तारनामे के आधार पर दिनांक 21.08.2023 को श्री रामचरण प्रजापत द्वारा विक्रय स्वीकृति आवेदन के पश्चात आवंटी श्री महावीर गोस्वामी एवं श्री रामचरण प्रजापत के द्वारा दिनांक 27.04.2024 को मुख्तारनामा निरस्तीकरण निष्पादित कर प्राधिकरण में प्रस्तुत किया गया। आवंटी श्री महावीर गोस्वामी पुत्र श्री बंकर बिहारी गोस्वामी द्वारा स्वयं के नाम विक्रय स्वीकृति कोटा विकास प्राधिकरण कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि इस विक्रय स्वीकृति में किसी को कोई एतराज या आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त प्लेटफार्म संख्या 37 योजना केशवपुरा-7 व्यावसायिक की विक्रय स्वीकृति श्री महावीर गोस्वामी पुत्र श्री बंकर बिहारी गोस्वामी के नाम जारी कर दी जायेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11/विक्रय/2025/1454 दिनांक:-7.4.25

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना श्रीरामकृष्णपुरम-बी व्यावसायिक भूखंड संख्या 135-एन का आवंटन पत्र क्रमांक 375 दिनांक 09.01.2023 को श्री गुलशन कुमार पुत्र श्री सुरेश कुमार के नाम आवंटन किया गया था। श्री गुलशन कुमार पुत्र श्री सुरेश कुमार की मृत्यु दिनांक 20.04.2023 को हो गयी है। मृत्यु उपरांत श्री गुलशन कुमार पुत्र श्री सुरेश कुमार के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आईडी इत्यादि दस्तावेजों के आधार पर श्रीमती लता देवी पत्नी स्व. श्री सुरेश कुमार द्वारा उक्त भूखंड संख्या 135-एन श्रीरामकृष्णपुरम-बी व्यावसायिक अपने नाम हस्तान्तरण करने की स्वीकृति कोटा विकास प्राधिकरण कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 135-एन योजना श्रीरामकृष्णपुरम-बी व्यावसायिक का नाम हस्तान्तरण श्रीमती लता देवी पत्नी स्व. श्री सुरेश कुमार के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कार्यालय नगर निगम कोटा उत्तर (राज.)

क्रमांक:-ननिको/को.उ./राजस्व/2025/35-36 दिनांक:-16.4.2025

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को जर्ये आम सूचित किया जाता है कि श्री घनश्याम पारेता पुत्र श्री गोपीलाल पारेता निवासी फ्लेट नं. 1302 पार्क न्यू रजत सिटी श्रीनाथपुरम इंजीनियरिंग कालेज कोटा द्वारा नगर निगम कोटा की होटल/रेस्टोरेन्ट/मैस उपविधि 2016 के अनुसार तुलुम्ब हॉटल प्लाट नं. 668, 211 नयाखेड़ा तहसील लाडपुरा कोटा की अनुमति चाही गई है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में राजीव गांधी भवन नगर निगम कोटा उत्तर के ब्लॉक सी के द्वितीय तल के कमरा नं. 307 में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा उपरोक्त उपविधि के अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जावेगी। सूचित हो।

उपायुक्त नगर निगम कोटा (उत्तर)

बाबूलाल दे गए दो असहाय नेत्रहीनों को नई नेत्र ज्योति

कोटा, (निसं)। नेत्रदान के माध्यम से मृत्यु के बाद भी दुनिया को देखा जा सकता है, और दो लोगों के जीवन को रोशन किया जा सकता है, इसी से प्रेरित होकर भवानीमंडी में नेत्रदान के प्रति लगातार जागृति बढ़ती जा रही है। भारत विकास परिषद के नेत्रदान प्रभारी कमलेश गुप्ता दलाल ने बताया कि नेत्रदान में हमेशा प्रेरक की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है और यहीं हुआ कि पचपहाड़ निवासी बाबूलाल जैन के निधन होने के बाद गणेश सालेचा की प्रेरणा से पुत्र दिलीप जैन एवं चेतन जैन के द्वारा नेत्रदान की सहमति प्रकट की गई, उनके द्वारा सूचना देने पर शाईन इंडिया फाउंडेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ ने रात्रि को 9 बजे ज्योति रथ से भवानीमंडी पहुंचकर नेत्रदान प्रक्रिया संपादित करके घर पर उपस्थित सभी परिवार सदस्यों के सामने कॉर्निया प्राप्त किया। नेत्रदान प्रक्रिया में मृतक की धर्मपत्नी श्यामा देवी एवं धर्मचंद जैन सिंहपुर, डग पंचायत समिति उप प्रधान संतोष जैन व संजय जैन आदि ने भी सहयोग किया। नेत्र उत्सरक शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ कुलवंत गौड़ के अनुसार नेत्रदानी बाबूलाल जैन का कोर्निया अच्छा पाया गया है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष से दुर्व्यवहार के विरोध में विधायक इंदिरा मीणा का पुतला फूंका

भाजपाइयों ने 17 मंडलों पर किया विधायक का विरोध

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बामनवास विधायक के खिलाफ प्रदर्शन किया।

गंगापुर सिटी । बामनवास बोली विधायक इंदिरा मीणा के द्वारा बोली के भाजपा मण्डल अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार व गाली गलोच को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओ ने एसडीएम कोर्ट पर प्रदर्शन करते हुए बामनवास विधायक का पुतला दहन कर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम बृजेन्द्र मीना को ज्ञापन सौपा।

भारतीय जनता पार्टी गंगापुर सिटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उप जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा का नारेबाजी के साथ पुतला दहन करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके खिलाफ बोली थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिक रिपोर्ट एफ आई आर पर आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई। भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से बोली थाने में दर्ज एफआईआर पर कार्रवाई की मांग की है। सभापति शिवरतन अग्रवाल और मंडल अध्यक्ष मिथलेश व्यास ने कहा कि डॉ. अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर विधायक ने मर्यादा का उल्लंघन करते हुए संविधान की शपथ का उल्लंघन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सिंह गुर्जर के निर्देश पर जिले के सभी 17 मंडलों में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए। तलाबडा मंडल में मंडल अध्यक्ष पुखराज गुर्जर के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। इस दौरान पंचायत समिति की प्रधान मंजू गुर्जर सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। तलवाडा मंडल के नेताओं ने विधायक पर भ्रष्टाचार और कांग्रेस राज में लूट के आरोप लगाए। सर्व समाज ने भी विधायक के व्यवहार की निंदा की। भाजपा ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की है। इस अवसर पर नगरपरिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल, शहर मंडल अध्यक्ष मिथलेश व्यास, उपसभापति वीरू पुजारी, जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र दीक्षित, पूर्व उपसभापति दीपक सिंघल, पूर्व जिला महामंत्री मनोज बंसल, डॉ हेमंत शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष रामसिंह खटाना, मिडिया प्रमुख धनेश शर्मा, ओमप्रकाश पटेल, राधा दीक्षित, गौरन्ती मीना, रेखा अग्रवाल, विजय सिंह जादौन, वेदप्रकाश सोनवाल, पार्षद कमलेश महावर, सहित सैकडों भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस पर पुलिस कार्मिकों का सम्मान किया

हिंडौन। पुलिस के 76 वें स्थापना दिवस पर आज कोतवाली थाने पर शहर के संभ्रांत नागरिकों द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व थानाधिकारी का सम्मान करते हुए पूरे पुलिस विभाग को बधाई दी गई। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह ने कहा कि हम क्षेत्र में और बेहतर पुलिसिंग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अमर सिंह धाकड, पूर्व उपसभापति नफीस अहमद, वक़्फ़ कमेटी सदर बब्बू शाह, जमीअत के तहसील सदर हाफ़िज़ बाबुद्दीन, संघ विचारक अर्जुन गेरा, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, सराफा व्यापार संघ अध्यक्ष नरेंद्र खरेटा, सुरक्षा सखी संयोग का श्रीमती लज्जा रानी अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के भारत सोलंकी, श्रीमती कृष्णा चौधरी, पार्षद प्रतिनिधि मुकेश जाटव, समाजसेवी दिनेश जाटव, स्थानीय गुरुद्वारा के ज्ञानी जी सरदार जोगेंद्र सिंह पूर्व परिषद अमर सिंह जाटव जमीयत के मुफ्ती अब्दुल हमीद सोनू हाड़ौली, सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

स्वच्छता में राजस्थान सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करें : के.के. गुप्ता

जयपुर के सांगानेर जोन में स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन हुआ।

जयपुर, । नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर को स्वच्छ बनाने एवं आमजन को जागरूक करने के लिए सांगानेर जोन नगर निगम जयपुर के अधिकारियों और कर्मचारी की स्वच्छता कार्यशाला आयोजित की गई।

जिसमें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रदेश कॉर्डिनेटर और माननीय मुख्यमंत्री के निर्वाचन विधानसभा क्षेत्र सांगानेर के लिए नियुक्त स्वच्छता प्रभारी के. के. गुप्ता ने शहर को स्वच्छ रखने के संबंध में विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल द्वारा दिए गए निर्देशों की पूरी पालना की जाएगी और उनके विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जोन सांगानेर और मानसरोवर को स्वच्छता मिशन में सभी मापदंड पर सर्वश्रेष्ठ बनाएंगे। मुख्यमंत्री महोदय का यह विजन है कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान में हमारा राजस्थान राज्य सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन करें और इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा प्रत्येक स्तर पर सघन निगरानी भी रखी जा रही है।

स्वच्छ भारत मिशन शहर से जुडे हुए इन बिन्दुओं पर हुई चर्चा कर निर्णय किया शहर को स्वच्छ बनाने के लिए शत-प्रतिशत घरों से गीला-सूखा कचरा अलग-अलग उठाया जाए साथ ही जीपीएस के माध्यम से मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। अगर हर घर से कचरा उठने लग जाएगा तो लोग सडकों पर खुले में कचरा नहीं डालेंगे कचरा उठाने वाली गाडयां प्रातः 7॰बजे से पहले पहले प्रारंभ हो जाएगी उनकी मॉनिटरिंग नियमित की जाएगी देरी से आने वाली गाडी पर पेनल्टी क्लोज लगाया जाएगा तथा उसका भुगतान नहीं किया जाएगा सभी गाडी के फोटो जिओ टेक से ग्रुप में डाले जाएंगे जिसमें गाडी एवं हेल्पर ड्राइवर तीनों का फोटो नियमित डालने का निर्णय लिया घरों से कचरा हर सूरत में 11॰से पहले पहले करना होगा इसके बाद जितने भी कमर्शियल एरिया हैं चाहे वह कंपलेक्स हॉस्टल हो सभी में 11 बाद कचरा उठाना होगा। व्यापारिक प्रतिष्ठानों से कचरा उठाने का समय सायं 6 से रात्रि 10 बजे तक रहेगा हर दुकानदार को कचरा पात्र रखना अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही रोडसाइड पर लगे कचरा पात्र नियमित रूप से खाली करवाए जायें। खाली प्लॉटों में कचरा पाया जाने पर प्लॉट मालिक पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी तथा निगम द्वारा साफ करवाने पर जो खर्चा आएगा उसका 10 गुना खर्चा वसूल किया जाए तथा ज्यादा गंदगी पाए जाने पर प्लॉट सीज करने की भी कार्यवाही की जाए वही हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनी में जो खाली प्लॉट पडे हुए हैं उनकी सफाई का कार्य हाउसिंग बोर्ड द्वारा तुरंत प्रभाव से किया जाएगा। शहर को स्वच्छ बनाने के लिए गार्डन को भी स्वच्छ एवं सुंदर बनाना होगा तथा झूले एवं ओपन योग मशीन लगानी होगी जहां-जहां फाउंटेन लगे हुए हैं वह नियमित चलने चाहिए । रात्रि कालीन स्वीपिंग की व्यवस्था पूरे कमर्शियल एरिया में नियमित होनी चाहिए व्यावसायिक एरिया में यह सुविधा नियमित रूप से होनी चाहिए। जो भी व्यापारी रात्रि में खुले में कचरा डालें उस पर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। सडकों पर घूमने वाली लावारिस गायों को गौशाला में छोडा जाए इस युद्ध स्तर पर प्रारंभ किया जाए। सार्वजनिक शौचालय एवं मूत्रालय की सफाई दिन में तीन बार करनी होगी तथा इसके फोटो ग्रुप में नियमित रूप से डालने होंगे जिसकी मॉनिटरिंग पूरी तरह से की जाए सडकों पर लाइट बंद होने पर 24 घंटे में लाइटों को चालू करना होगा।

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड़–306401)
टेलीफोन :– 02932–250033 ई–मेल :– cmcpali@yahoo.co.in

क्रमांक प. 02 ( )/पीएसी/2025/267 दिनांक 09.04.2025

ई– निविदा सूचना संख्या–ई /2024–25

सर्वसाधारण को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् पाली के विद्युत अनुभाग के भण्डार/विद्युत/गैराज/निर्माण अनुभाग की निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा संबधी विस्तर्त जानकारी परिषद् के निगम के संबंधित अनुभाग से एवं वेबपोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसके UBN नम्बर DLB2526SSOB01443, DLB2526SSOB01444, DLB2526SSOB01592, DLB2526GLRC01593, DLB2526GSRC01594, DLB2526SLOB01595, DLB2526SLRC01596, DLB2526GLRC01597, DLB2526WSOB01447, DLB2526WSOB01449, DLB2526WSOB01450, DLB2526WSOB01452. DLB2526WSOB01455, DLB2526WSOB01458, DLB2526WSOB01461, DLB2526WSOB01466, DLB2526WSOB01467 है।

राज.संवाद/सी/25/825 आयुक्त, नगर निगम, पाली

कार्यालय नगर परिषद् ब्यावर

Tel No. 01462-258665, 257509 Email Add.- npbeawar@gmail.com

क्रमांक /नपब्या/ स्वास्थ्य /2025–26/300 दिनांक :– 09.04.25

ई–दर संविदा सूचना

निम्नाकिंत विवरण के अनुसार ई–दर संविदा हेतु ई–दर संविदा ई–पोक्यूरमेट पोर्टल राजस्थान पर दिनांक 22.04.2025 को प्रात : 11:00 बजे तक आमंत्रित है। दिनांक 22.04.2025 को सांय 3 बजे निविदा खोली जाऐगी। विस्तर्त शर्तें ई दर सविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह दस्तावेज एस.पी.पी. पोर्टल पर एवम् ई–प्रोक्यूरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।

क्रं. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा फार्म शुल्क	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क
1.	शहर के विभिन्न वाडो में सफाई कार्य हेतु अकुशल श्रमिको की सेवाऐ निविदा फार्म	63.94 लाख	127880	1500	1500

NIB CODE : DLB2526A0330 & UBN NO. DLB2526SLOB01426

राज.संवाद/सी/25/795 प्रशासक आयुक्त

कार्यालय नगर परिषद् ब्यावर

Tel No. 01462-258665, 257509 Email Add.- npbeawar@gmail.com

क्रमांक /नपब्या/गैरिज/2024–25/471 दिनांक – 15.04.25

खुली ई दर संविदा सूचना

निम्नाकिंत विवरण के अनुसार ई दर संविदा हेतु ई–पोक्यूरमेट पोर्टल राजस्थान पर दिनांक 30.04.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक आमंत्रित है। विस्तृत शर्तें ई दर संविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह दस्तावेज एस.पी.पी. पोर्टल पर एवम् ई–पोक्यूरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।

क्रं. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख रूपये में	धरोहर राशि	निविदा फार्म शुल्क	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क
1.	Hydraulic Excavator of 1 cum bucket	49.848	99696	1000/–	500/–
2.	Tractor with Trolly	49.92	99840	1000/–	500/–

NIB – DLB2526A0423
UBN – DLB2526SLOB01721

राज.संवाद/सी/25/851 प्रशासक आयुक्त

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/10 - 12 Date : 09/04/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 04/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 370.49 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	10.04.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 22.04.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	10.04.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 22.04.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	23.04.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSLB00013 To ITU2526WSLB00022

राज.संवाद/सी/25/830 अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ, उदयपुर विकास प्राधिकरण

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567- 294504

क्रमांकः– न.पा.रा./2025–26/194 दिनांकः– 15.04.2025

Corregendum Notice

इस पालिका के निविदा क्रमांक 09 दिनांक 02.04.2025 के द्वारा जारी निविदा जिसके
NIB Code – DLB2526A0099
UBN Code- (DLB2526WSOB00396), (DLB2526WSOB00397), (DLB2526WSOB00399), (DLB2526WSOB00400), (DLB2526WSOB00401), (DLB2526WSOB00439), (DLB2526WSOB00402), (DLB2526WSOB00403), (DLB2526WSOB00404), (DLB2526WSOB00405), (DLB2526WSOB00406), (DLB2526WSOB00407), (DLB2526WSOB00408), (DLB2526WSOB00410), (DLB2526WSOB00412), (DLB2526WSOB00413), (DLB2526WSOB00416), (DLB2526WSOB00441), (DLB2526WSOB00442),

जो दिनांक 15.04.2025 सुबह 10:30 बजे तक विक्रय कि जाकर 11:30 जमा ली जाकर दिनांक 15.04.2025 दोपहर 02:00 को खोली जानी थी। जो प्रशासनिक कारणो से संशोधन की जाकर दिनांक 23.04.2025 दोपहर 01:00 बजे तक विक्रय कि जाकर 03:00 जमा ली जाकर समय 04:00 बजे दोपहर बाद को खोली जावेगी। शेष शर्ते व नियम यथावत रहेगे।

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/750 नगरपालिका राजलदेसर

RAJMATA VIJYARAJE SINDHIYA KRISHI UPAJ MANDI SAMITI (G) JODHPUR

E-mail Id : www.krishimandi@yahoo.in / kums.jodhpgr@rajasthan.gov.in
Tel. :- 0291-2571999 Fax :- 0291-2570754

E-Tender Invitation Notice

Under the Rajasthan Public Procurement Transparency Act 2012 and Rules 2013, on line tender is invited through e-procurement from service providers/registered contractors/cooperative institutions/voluntary institutions/ex-servicemen cooperative institutions etc. within the approved budget for Work of supply of skilled personnel for clerk work in Rajmata Vijayaraje Sindhiya Krishi upaj mandi samiti (Grain) jodhpur, regarding procurement of human resources services, till 10.00 am on 06/05/2025 The detailed information related to tenders can also be seen on www.sppp.rajasthan.gov.in, www.agriculture.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in.

1. Work of supply of skilled personnel for clerk work in Rajmata Vijayaraje Sindhiya Krishi upaj mandi samiti (Grain) jodhpur

UBN No. : DAM2526SLRC00025

Secretary,
Raj.Samwad/C/25/809 R.V.S. K.U.M.S.(G), JODHPUR

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

JDA/IT(1393836)/PURCHASE/LAPTOP/2025/D-18 दिनांक : 15.04.2025

निविदा सूचना

NIB No.: JDA-IT-01:2025-26

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Procurement of High-End Laptops" के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 06.05.2025 को 03:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 04.05.2025 को 05:00 बजे तक है। निविदा की अनुमानित लागत रूपये 25.00 लाख है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and https://jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.: JDA2526GLOB00044

निविदा में भाग लेने हेतु निविदादाता को अनिवार्य रूप से निम्न प्रक्रिया अपनानी होगीः–

1. निविदा में भाग लेने एवं भुगतान जमा कराने हेतु निविदादाता को जविप्रा के 'Online Tender Participation' पोर्टल https://jda.rajasthan.gov.in या http://sso.rajasthan.gov.in पर जविप्रा के सिंगल साईन ऑन के माध्यम से करना होगा।
2. राजस्थान सरकार के ई–प्रॉक्यूमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करनी होगी।

सिस्टम एनालिस्ट
राज.संवाद/सी/25/827 उपापन संस्था

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

क्रमांक - बीडिए/स्टोर/2025-26/503 दिनांक :- 09/04/2025

ई-बोली (दर संविदा) आमंत्रण सूचना- 01/2025-26

आयुक्त, बीकानेर विकास प्राधिकरण के लिए डेस्कटॉप कम्प्यूटर, प्रिन्टर्स, एयर कंडीशनर और ऑवर हेड स्कैनर की दर संविदा हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 में इच्छुक विनिर्माता/निर्माता/अधिकृत डीलर (डेस्कटॉप कम्प्यूटर, प्रिन्टर्स, एयर कंडीशनर के लिए) तथा पंजीकृत विक्रेता (ऑवर हेड स्कैनर के लिए) से ई–बोली प्रक्रिया द्वारा eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है–

क्र. सं.	नाम कार्य	अनुमानित राशि (रु. में)	बोली शुल्क (रु. में)	बोली प्रतिभूति राशि (रु. में)	ई–बोली प्रोसेसिंग (रु. में)	ऑनलाईन बोली प्रपत्र डाउनलोड व अपलोड करने की दिनांक एवं समय	तकनीकी बोली खोलने की तिथि एवं समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	डेस्कटॉप कम्प्यूटर हेतु दर संविदा (Rate Contract for Desktop) (मय इंस्टॉलेशन)	25,00,000/-	1000/-	50,000/-	500/-	09.04.2025 को 5:00 PM से दिनांक 21.04.2025 को 3:00 PM तक	दिनांक 21.04.2025 को 5:00 PM तक
2	प्रिन्टर्स हेतु दर संविदा (Rate Contract for Printers) (मय इंस्टॉलेशन)	15,00,000/-	1000/-	30,000/-	500/-	09.04.2025 को 5:00 PM से दिनांक 21.04.2025 को 3:00 PM तक	दिनांक 21.04.2025 को 5:00 PM तक
3	ऑवर हेड स्कैनर हेतु दर संविदा (Rate Contract for Over Head Scanner) (मय इंस्टॉलेशन)	15,00,000/-	1000/-	30,000/-	500/-	09.04.2025 को 5:00 PM से दिनांक 21.04.2025 को 3:00 PM तक	दिनांक 21.04.2025 को 5:00 PM तक
4	एयर कंडीशनर स्प्लिट ए.सी. 1.5 टन 3 स्टार या अधिक हेतु दर संविदा (Rate Contract for Air Conditioner (Split AC) 1.5 Ton With 3 Star or More) (मय इंस्टॉलेशन)	10,00,000	1000/-	20,000/-	500/-	09.04.2025 को 5:00 PM से दिनांक 21.04.2025 को 3:00 PM तक	दिनांक 21.04.2025 को 5:00 PM तक

शर्ते :–
1 बोली शुल्क, त्पैस प्रोसेसिंग शुल्क और बोली प्रतिभूति राशि बोलीदाता द्वारा निर्धारित निर्देशानुसार www.sso.rajasthan.gov.in के माध्यम से जमा करवानी होगी जिसके लिए सभी बोलीदाताओं को अपनी एसएसओ आईडी sso.rajasthan.gov.in पर बनानी होगी। sso.rajasthan.gov.in पर जाकर अपने आधार कार्ड या गुगल Account (gmail) के द्वारा अपनी आईडी बनाये।
• Login Through > SSO ID > URBANSERVICES > Citizen Services > subscribe payment gatway for E-Tendering Process
2 सशर्त बोली पर विचार नहीं किया जायेगा ।
3 प्रस्तावित बोली की दरें बोली प्रस्तुत करने की अन्तिम दिनांक से 90 दिन तक स्वीकृति हेतु विधि मान्य होगी ।
4 किसी भी बोली को स्वीकृत करने अथवा बिना कारण बताए किसी भी बोली अथवा समस्त बोलियों या बोली के किसी भाग को निरस्त करने का अधिकार उपापन संस्था के पास सुरक्षित रहेगा ।
5 बोलियां केवल Website eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से ऑन लाईन ही स्वीकार की जायेगी। भौतिक रूप से प्रस्तुत बोली विचारणीय नहीं होगी ।
6 बोली से संबंधित शर्तें व अन्य विवरण किसी भी कार्य दिवस में इस कार्यालय में एवं Website sppp.rajasthan.gov.in & Website eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 09.04.2025 से देखा जा सकता है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/676 बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

कार्यालय नगर पालिका मण्डावरी, जिला-दौसा

क्रमांक :- 34 - 36 दिनांक :- 08/04/2025

निविदा सूचना

नगर पालिका मण्डावरी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर निम्न (NIB CODE – DLB2526A0380) UBN No – DLB2526WSOB01566, DLB2526WSOB01567 पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/769 अधिशाषी अधिकारी

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण

क्रमांकः– एफ.10/2024–25/4466 दिनांकः– 16.04.2025

:: अल्पकालीन ई–निविदा सूचना ::
(UBN No. DLB2526WSOB01801)

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.Rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

महापौर, नगर निगम जोधपुर–दक्षिण — आयुक्त, नगर निगम जोधपुर–दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/857

कार्यालय नगरपालिका बिलाड़ा जिला – जोधपुर (राज.)

क्रमांक : न.पा.बि/स्टोर/2025–26/87 दिनांक :– 09.04.2025

–:: ई–निविदा सूचना ::–

नगरपालिका बिलाडा की ओर से निम्न कार्यो हेतु नगरपालिका बिलाडा पंजिकृत संवेदको एवं विभिन्न विभागो/ स्वायत्तशाषी/ निगमो/ बोर्डो/ राजकीय उपकर्मो में पंजीकृत ठेकेदारों से ई–निविदा द्वारा विभिन्न वार्षिक दर संविदा कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। निविदा की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईड www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB CODE : DLB2526A0406

निविदा जारी दिनांक व समय	09.04.2025 : 06.00 PM
निविदा दस्तावेजो को डाउनलोड करने शुरूआती दिनांक व समय	12.04.2025 : 12.00 PM
निविदा दस्तावेजो को जमा करवाने हेतु शुरूआती दिनांक व समय	12.04.2025 : 05.00 PM
निविदा दस्तावेजो को जमा करवाने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	22.04.2025 : 01.00 PM
निविदा दस्तावेजो को कार्यालय में जमा करने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	22.04.2025 : 01.00 PM
निविदा खोलने की दिनांक व समय	23.04.2025 : 09.00 AM
बिड वैघता	180 Days
कुल कार्य	40
कुल अनुमानित व्यय राशि	320.00 Lac

क्र. सं.	नाम विवरण	अनु. लागत (लाखों में)	धरोहर राशि 2%	धरोहर राशि 0.50%	निविदा शुल्क	कार्य अवधि	UBN CODE
1	टायर ट्यूब सप्लाई एवं फिक्सिंग कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01629
2	बस स्टेण्ड पर बने सार्वजनिक शौचालय का संचालन कार्य	8.00	16000	4000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01630
3	उचियार्डा में बने सार्वजनिक शौचालयों का संचालन कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01631
4	सोजती गेट स्थित आधुनिक शौचालय का संचालन कार्य	8.00	16000	4000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01632
5	अस्थाई टेन्ट व्यवस्था	20.00	40000	10000	500	वार्षिक	DLB2526SLRC01633
6	अस्थाई रोशनी व्यवस्था	15.00	30000	7500	500	वार्षिक	DLB2526SLRC01634
7	पानी के केम्पर सप्लाई कार्य	5.00	10000	2500	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01635
8	विभिन्न संवर्गो के कार्मिकों का अनुबन्ध ऑफिस में	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01636
9	फोटोग्राफी/विडियोग्राफी	3.00	6000	1500	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01637
10	पालिका की जे.सी.बी. मशीन के लिए अनुबन्ध पर ऑपरेटर कार्य	7.00	14000	3500	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01638
11	पालिका क्षेत्र से बेसहारा पशुओं को पकड़कर पालिका क्षेत्र से बाहर छोड़ना	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01639
12	शहर के विभिन्न लौहे के बोर्ड/दीवार पर लिखावट कार्य कलर मजदूरी सहित	8.00	16000	4000	500	वार्षिक	DLB2526WSRC01640
13	माईक व्यवस्था, साउण्ड व्यवस्था एंव माईक व्यवस्था मय टेक्सी	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01641
14	सोजती गेट प्याऊ पर 1 श्रमिक पानी पिलाने के लिये अनुबन्ध हेतु	1.00	2000	500	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01642
15	शहर के नाले/नालियों पर लोहे की जाली सप्लाई व फिक्सिंग करने का कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01643
16	विभिन्न साईजों के फ्लेक्स बेनर सप्लाई कार्य	15.00	30000	7500	500	वार्षिक	DLB2526SLRC01644
17	पालिका में गोलाकार ट्री–गार्ड सप्लाई कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01645
18	ऐरो बोर्ड, सूचना बोर्ड व रेडियम बोर्ड सप्लाई एवं फिक्सिंग कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01646
19	स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत जूट कैरी बेग सप्लाई कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01647
20	पालिका द्वारा संचालित स्थाई रैन बसेरा (सोजती गेट) संचालन कार्य	6.00	12000	3000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01648
21	आगामी हीट वेव में पानी के टेंकर उपलब्ध करवाने का कार्य	5.00	10000	2500	500	वार्षिक	DLB2526WSRC01649
22	कीटनाशक, फिनाईल, एसिड, फोगिंग केमीकल एवं टायलेट क्लीनर सप्लाई कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01650
23	शहर के बड़े/छोटे नालों की सफाई हेतु ट्रेक्टर मय ट्रोली ड्राईवर ईधन सहित	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01651
24	विभिन्न स्टेशनरी व प्रिंटिंग स्टेशनरी सप्लाई कार्य	5.00	10000	2500	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01652
25	ग्रेनाईट व मार्बल व पत्थर के शिलालेख मय नाम लिखकर सप्लायी एवं सम्पूर्ण फिक्सिंग करने का कार्य	2.00	4000	1000	500	वार्षिक	DLB2526WSRC01653
26	फोटो स्टेट कार्य वार्षिक दर अनुबन्ध वर्ष 2025–26	3.00	6000	1500	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01654
27	समस्त प्रकार का फर्नीचर सप्लाई कार्य	3.00	6000	1500	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01655
28	विभिन्न लोहा व अन्य सामग्री आपूर्ति कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01656
29	पालिका में फुल माला सप्लाई कार्य	1.00	2000	500	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01657
30	कम्प्यूटर, लैप–टॉप, प्रिन्टर, स्केनर, यूपीएस बैटरी, की–बोर्ड व माउस सहित विभिन्न ऐसेसरी सामग्री कार्य	10.00	20000	5000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01658
31	नगर पालिका बिलाडा के विभिन्न वार्डो में सफाई कार्य	24.00	48000	12000	500	वार्षिक	DLB2526WSRC01659
32	साफा व शाल आपूर्ति के वार्षिक दर अनुबंध कार्य।	1.00	2000	500	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01660
33	विभिन्न स्वागत में अल्पाहार, भोजन आदि सामग्री आपूर्ति के वार्षिक दर अनुबन्ध कार्य।	5.00	10000	2500	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01661
34	पालिका क्षेत्र में लगे सी.सी टी.वी कैमरा सम्बन्धी सामग्री सहित विभिन्न ऐसेसरी सामग्री कय रखरखाव कार्य।	8.00	16000	4000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01662
35	75 ईच फुल एचडी एन्ड्रोईड टी.वी, 2000 वॉट साउण्ड बार सामग्री कय कार्य।	2.00	4000	1000	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01663
36	02 अग्निशमन वाहन हेतु अग्निशमन वाहन चालक एवं फायरमेन आपूर्ति कार्य	24.00	48000	12000	500	वार्षिक	DLB2526SLRC01664
37	एल्यूमिनियम के केबिन, दरवाजे, खिड़किया बनाने का कार्य	3.00	6000	1500	500	वार्षिक	DLB2526WSRC01665
38	पालिका में दैनिक कार्य हेतु इन्टरनेट आपूर्ति कार्य	1.00	2000	500	500	वार्षिक	DLB2526SSRC01666
39	रंगीन पी.वी.सी. स्पीड ब्रेकर सप्लाई एवं फिक्सिंग कार्य	2.00	4000	1000	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01667
40	व्हील बैरोज सप्लाई कार्य	5.00	10000	2500	500	वार्षिक	DLB2526GSRC01668

शर्ते :–
1 डाक द्वारा प्रेषित निविदा मान्य नही होगीं ।
2 धरोहर राशि केवल ई ग्रास/डी.डी के रुप में स्वीकृत होगी। चैक अमान्य होगा।
3 पंजीकृत फर्मो से ही निविदाएं मान्य होगीं तथा निविदा खरीदते समय आवेदन पत्र के साथ रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट व जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की प्रमाणित फोटो प्रति प्रस्तुत करनी होगी। अन्यथा निविदा प्रपत्र नही दिया जायेगा।
4 निविदा बिना कारण कार्य स्वीकृत /अस्वीकृत करनें का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्त्ता को होगा ।
5 सामग्री की सप्लाई पालिका स्टोर तक एफओआर डिलेवरी करनी होगी।
6 निम्नलिखित ई ग्रास/डी.डी. का होना आवश्यक है ।

क्र. सं.	शुल्क वितरण	शुल्क	भुगतान का प्रकार	देय
1	निविदा शुल्क	उपरोक्तानुसार	ई ग्रास/डी.डी	अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बिलाड़ा
2	धरोंहर राशि	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत	ई ग्रास/डी.डी	अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बिलाड़ा
3	ई–टेण्डर प्रकिया शुल्क	50 लाख से उपर 1000/– 50 लाख से नीचे 500/–	ई ग्रास/डी.डी	MD RISL JAIPUR

7 बिना धरोहर राशि एवं सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी ।
8 सामग्री की आवश्यकतानुसार मात्रा घटाई बढ़ाई जा सकती है।
9 एम.एस.एम.ई. में पंजीकृत संवेदक/फर्म द्वारा जिस कार्य के लिए पंजीकरण करवाया गया है उसी प्रकृति के कार्य लिए धरोहर राशि निविदा राशि की 0.50 प्रतिशत ली जायेगी अन्य में नियमानुसार 2 प्रतिशत शुल्क अदायगी की जानी हागी।
10 अन्य शर्ते कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में देखी जा सकती हैं ।

अध्यक्ष, नगरपालिका बिलाड़ा — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिलाड़ा
राज.संवाद/सी/25/846

संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी परियोजना को दो वर्षों में पूरा करें : भजनलाल शर्मा

- यमुना जल समझौते की बैठक 20 अप्रेल को, पिलानी में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होगी टास्क फोर्स की बैठक
- भूमि अवाप्ति के कार्यों में समन्वय के लिए विशेषाधिकारियों की होगी नियुक्ति
- ईसरदा पेयजल परियोजना को जून तक किया जाए पूरा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी (रामजल सेतु लिंक) परियोजना प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजना है। जिसके माध्यम से प्रदेश के 17 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई के साथ ही इन जिलों में स्थापित होने वाले उद्योगों को भी आवश्यकता के अनुरूप पानी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में इस परियोजना को पूरा करने के लक्ष्य के साथ मिशन मोड पर कार्य किया जाए। राज्य सरकार इसके लिए संबंधित विभाग को मानव संसाधन, नियमों में सरलीकरण सहित अन्य सभी सहायताएं उपलब्ध कराएगी। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग, सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि इस परियोजना की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए एवं भूमि अवाप्ति के कार्यों में समन्वय के लिए विशेष रूप से अधिकारियों को नियुक्त किया जाए।

मुख्यमंत्री ने संशोधित पीकेसी ईआरसीपी परियोजना के पैकेज 1, 2 एवं 3 के अंतर्गत विवरण एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि परियोजना को त्वरित गति प्रदान करने के लिए प्रथम चरण में 9,600 करोड़ रुपये के कार्यों के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन पैकेजेज में भूमि अवाप्ति के अवार्ड, वन क्लीयरेंस एवं अन्य क्लीयरेंस के कार्य में गति लाई जाए। उन्होंने इस परियोजना में अब तक हो चुकी अधिगृहीत भूमि पर कार्य प्रारंभ करने का सुझाव दिया। साथ ही, उन्होंने भूमि अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले लोगों के पुनर्वास की समुचित व्यवस्था के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना जल समझौते के प्रथम चरण में ताजेवाला हैड से प्रदेश में जल लाने के लिए प्रवाह प्रणाली हेतु संयुक्त डीपीआर बनाने पर सहमति बनी है। इसी क्रम में डीपीआर के लिए गठित संयुक्त टास्क फोर्स की पहली बैठक 7 अप्रेल को यमुनानगर में हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यमुना जल समझौते की डीपीआर को लेकर संयुक्त टास्क फोर्स की दूसरी बैठक 20 अप्रेल को पिलानी में होगी। उन्होंने अधिकारियों को नक्शे एवं अलाइमेंट की डिजाइन की तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि परवन वृहद् बहु-उद्देशीय सिंचाई परियोजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि परियोजना में बांध निर्माण कार्य एवं पाइपलाइन वितरण प्रणाली से लेकर डिग्गी एवं पंप हाउस कार्यों में गति लाई जाए। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उनके निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति निर्बाध हो : भजनलाल शर्मा

- 'फील्ड में रहें अधिकारी, जलापूर्ति व्यवस्था रखें सुचारू'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में पेयजल प्रबंधन एवं समर कंटीन्जेंसी प्लान को लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्ययोजना के तहत आमजन को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स की अनुशंषा पर जिलों में पेयजल से संबंधित आकस्मिक कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पीएचईडी अधिकारियों को फील्ड में रहकर जलापूर्ति की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नवीन नलकूप एवं हैण्डपंप लगाए जाएं। उन्होंने पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यकता के अनुसार टैंकरों के जरिए पेयजल परिवहन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पेयजल से संबंधित पाइपलाइनों, पुराने नलकूप एवं हैंडपंप के मरम्मत कार्यों को भी समय से पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल समस्या के निस्तारण के लिए संचालित राज्य एवं जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, कंट्रोल रूम में दर्ज होने वाली शिकायतों का प्रभावी रूप से मॉनिटरिंग कर त्वरित निस्तारण भी किया जाए। उन्होंने बिजली कनेक्शन लेकर नलकूपों एवं ट्यूबवैलों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने नलकूपों हेतु भंडार में स्पेयर पंप-मोटर्स की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव देते हुए कहा कि हर ग्राम में पेयजल एवं इससे संबंधित योजनाओं के लिए ग्राम स्तर पर दो जल मित्र बनाए जाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इनका सहयोग लिया जा सके।

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

वक्फ की आय गरीब मुसलमानों के लिए होगी खर्च : मुख्यमंत्री

- मोदी राज में 15 फीसदी मुस्लिम आबादी को 70 फीसदी तक मिला योजनाओं का लाभ : डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल
- कांग्रेस और अन्य दलों के लिए मुसलमान वोट का औजार, भाजपा के लिए मुसलमान देश के सम्मानित नागरिक : मदन राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की वक्फ सुधार जन जागरण अभियान की प्रदेश कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों की आदत हो गई है कि वे हर अच्छे कार्य का विरोध करते है और समाज में अफवाह फैलाते है। उन्होंने समाज में सीएए को लेकर भी मुसलमानों की नागरिकता समाप्त हो जाएगी जैसी बेबुनियाद अफवाह फैलाई थी, आज वे लोग कहा है। ऐसी ही अफवाह वक्फ कानून के खिलाफ फैलाने की कोशिश कर रहे है जो कि देश और समाज के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि नया कानून गरीब मुसलमानों, महिलाओं और अन्य वर्गों के अधिकारों की रक्षा करने वाला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले किसी भी संपत्ति पर वक्फ का दावा कर दिया जाता था, गरीब अपने अधिकार के लिए लड़ भी नहीं सकता था। अब उसे 90 दिन के लिए नोटिस दिया जाएगा और वह अपने अधिकारों की रक्षा करने में समृद्ध होगा। इससे हर वर्ग को लाभ मिलेगा, अवैध दावें रूकेंगे और संपत्तियों के प्रमाणिकरण से उनका उपयोग नियमानुसार सुनिश्चित करवाया जाएगा। इससे होने वाली आय को मुस्लिम समुदाय पर खर्च किया जाएगा। जिसका लाभ गरीब मुसलमानों को मिलेगा। आज जो विरोध कर रहे है वे मुसलमानों के भले के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुलती हुई पोल के कारण कर रहे है।

राष्ट्रीय संयोजक एवं भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने 65 साल तक मुसलमानों को केवल वोट बैंक माना और उनकी बेहतरी के लिए कोई कार्य नहीं किया। कांग्रेस के राज में मुस्लिम सिर्फ मोची, पेंटर, दर्जी, बैंड बाजा बजाने वाला और पंचर निकालने वाला बनकर रह गया। वहीं भाजपा के महज 11 साल के कार्यकाल में केंद्रीय नौकरियों में 5 प्रतिशत के मुकाबले 9.5 प्रतिशत भागीदारी मुस्लिम वर्ग से है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक मानती है, वहीं भाजपा गर्व और स्वाभिमान के साथ अपने आप को भारतीय कहने वाले नागरिक के रूप में उनको खड़ा करना चाहती है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह ने देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का मानते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसको सिरे से नकारते हुए देश के संसाधनों पर पहला हक देश के गरीबों का मानकार बिना किसी जाति भेद भाव के काम किया। जिसका परिणाम है कि 15 प्रतिशत आबादी वाला मुस्लिम समाज आज पीएम आवास योजना में 31 प्रतिशत, उज्जवला योजना में 37 प्रतिशत, मुद्रा में 36 प्रतिशत, जनधन योजना में 42 प्रतिशत, पीएम किसान सम्मान निधि योजना में 33 प्रतिशत और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन गारंटी योजना में 70 प्रतिशत लाभान्वित हुआ है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि नया कानून मुस्लिमों के कल्याण के लिए है। इससे गरीब मुसलमानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आ ान किया कि कांग्रेस सहित विपक्षी नेताओं ने भ्रामक प्रचार का सकारात्मक पक्ष रखते हुए माकुल जवाब दें। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेसी दुष्प्रचार करते थे कि भाजपा आएगी तो मुसलमानों को खा जाएगी, आज 11 साल के शासन में मुसलमानों की तरक्की हुई है और उन्हें प्रत्येक योजनाओं का लाभ मिला। कांग्रेस एवं अन्य दलों के लिए मुसलमान वोट का औजार है, जबकि भाजपा के लिए मुसलमान देश के सम्मानित नागरिक है। इसलिए मोदी जी कहते है कि 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना है तो समाज का कोई भी वर्ग विकास में अपनी भागीदारी से पिछड़ना नहीं चाहिए।

कार्यशाला में मंच पर भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, कानून मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, राजेंद्र गहलोत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ उपस्थित थे। इससे पूर्व अभियान के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी, वहीं मंच संचालन भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित हमीद खान मेवाती ने किया।

कम वसूली वाले प्राथमिक भूमि विकास बैंकों को नोटिस दें : मंजू राजपाल

- 'मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना का करें व्यापक प्रचार-प्रसार'

जयपुर। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी भूमि विकास बैंकों के ऋणों हेतु लाई जा रही मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 का लाभ सभी पात्र लोगों को मिलना चाहिए। इसके लिए योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत शत प्रतिशत वसूली का लक्ष्य तय कर इसके लिए पूरे मनोयोग से प्रयास किए जाएं।

राजपाल बुधवार को नेहरू सहकार भवन में राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 का वित्त विभाग द्वारा अनुमोदन कर दिया गया है। शुरुआत से ही प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों का उपयोग करते हुए योजना की जानकारी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाई जाए, ताकि वे योजना से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि योजना को क्रियान्वित करने के लिए तैयार किए जा रहे पोर्टल को पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाए। जिन जिलों में अधिक ऋण राशि बकाया है, उनमें अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए अलग रणनीति बनाई जाए।

बैठक में भूमि विकास बैंक के अधकारियों द्वारा बताया गया कि योजना की क्रियान्विति के लिए पोर्टल लगभग तैयार किया जा चुका है और कुछ ही दिनों में इसकी टेस्टिंग हो जाएगी। पोर्टल पर ऋणियों की सहूलियत के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सप्ताह पात्र ऋणियों को मैसेज के माध्यम से सूचना दी जाएगी। साथ ही, कॉल सेंटर की स्थापना कर सभी पात्र व्यक्तियों को कॉल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी 36 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों में प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। जिन जिलों में अधिक डिमाण्ड है, वहां वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के प्रबंध निदेशक जितेन्द्र प्रसाद ने बताया कि ब्याज अनुदान योजना के अंतर्गत नियमित खातों में कुल 111.98 करोड़ रुपये की वसूली की गई है, जो लक्ष्य का 91.04 प्रतिशत है। वहीं, प्राथमिक भूमि विकास बैंकों के स्तर पर वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 80 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया है। उन्होंने कहा कि ब्याज अनुदान योजनाओं के अंतर्गत अवधिपार ऋणों के मामलों में समझाइश एवं सामान्य प्रक्रिया के माध्यम से वसूली कार्यक्रम जारी रखा जाएगा। बैठक में राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बुधवार को नेहरू सहकार भवन में समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया।

गिव अप अभियान में अब तक 17.52 लाख अपात्रों ने छोड़ी खाद्य सुरक्षा : गोदारा

- 'खाद्य सुरक्षा पोर्टल पुनः प्रारंभ होने से जुड़े 19.70 लाख नए लाभार्थी'
- अभियान के माध्यम से अपात्रों द्वारा एनएफएसए से नाम हटाने के कारण प्रदेश सरकार को 324 करोड़ रुपए के राजस्व की बचत प्रतिवर्ष होगी

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में जयपुर जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा जिले में गिव अप अभियान के तहत अपात्रों द्वारा खाद्य सब्सिडी छोड़ने, खाद्य सुरक्षा पोर्टल के पुन: प्रारंभ होने के उपरांत नए लाभार्थियों के जोड़ने एवं खाद्य सुरक्षा सूची से जुड़ने हेतु लंबित आवेदनों की स्थिति पर विस्तार से प्रस्तुतिकरण दिया गया।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की अवधि बढ़ाई जाने से प्रदेश के करोड़ों खाद्य सब्सिडी धारकों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार वंचितों को उनका हक दिलाने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लगातार फील्ड विजिट कर योजनाओं की प्रगति के बारे में फीडबैक ले। जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में आमजन में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाएं ताकि वे समुचित लाभ ले सकें। आमजन एवं जनप्रतिनिधियों से हर स्तर पर उचित समन्वय स्थापित कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है की अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। गोदारा ने कहा कि सक्षम लोगों को खाद्य सब्सिडी छोड़ने हेतु प्रेरित करने के लिए गत वर्ष शुरू किए गए गिव अप अभियान के तहत आज तक 17.52 लाख अपात्र लोगों ने स्वत: खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवाया है। इस अभियान के माध्यम से अपात्रों द्वारा एनएफएसए से नाम हटाने के कारण प्रदेश सरकार को 324 करोड़ रुपए के राजस्व की बचत प्रतिवर्ष होगी। साथ ही संपन्न व्यक्तियों द्वारा खाद्य सब्सिडी छोड़ने से बचे हुए अन्न का वंचित पात्रों को खाद्य सुरक्षा देने में इस्तेमाल किया जा सकेगा। गोदारा ने कहा कि एनएफएसए से नाम हटवाने वाले संपन्न व्यक्ति मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना का लाभ भी नहीं ले सकेंगे। इससे राज्य सरकार को होने वाली बचत का भी उपयोग वास्तविक हकदारों के कल्याण हेतु किया जा सकेगा। उन्होंने कहा की स्वत: खाद्य सब्सिडी नहीं छोड़ने वाले सक्षम लाभार्थियों के विरुद्ध आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई की जाए। राशन वितरण में अनियमिता बरतने वाले राशन डीलरों पर भी विभागीय अधिकारी उचित कार्रवाई करें।

बैठक में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि संपन्न व्यक्तियों का कर्तव्य है की वह गरीबों के हक में खाद्य सब्सिडी छोड़ें। उन्होंने कहा की सक्षम लोगों द्वारा छोड़ी गई सब्सिडी गरीब के मुंह का निवाला बनती है। खाद्य सुरक्षा सूची से जुड़े सभी संपन्न व्यक्तियों को गिव अप अभियान में भाग लेकर इस पुनीत कार्य में पूर्ण सहभागिता निभानी चाहिए।

बैठक में हवा महल विधायक बालमुकुंदाचार्य, आदर्श नगर विधायक रफीक खान, चौमू विधायक शिखा मिल बराला, उपेन यादव, चंद्र मोहन मीणा, सांगानेर प्रधान भंवर कंवर, नगर पालिका चौमू अध्यक्ष विष्णु सैनी, रामपुरा डाबड़ी प्रधान हरदेव यादव, शाहपुरा प्रधान मंजू शर्मा, मनोहरपुर नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत, शाहपुरा नगरपालिका चेयरमैन बंशीधर सैनी सहित विभिन्न प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार, जिला कलेक्टर जयपुर जितेंद्र कुमार सोनी, अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पूनम सागर सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने ई.डी. ऑफिस के बाहर धरना दिया

- राहुल-सोनिया के खिलाफ चार्ज शीट का विरोध

जयपुर। नेशनल हेराल्ड मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी की ओर से पेश चार्जशीट को लेकर कांग्रेस की ओर से देशभर में प्रदर्शन किया गया। इसी सिलसिले में जयपुर में ज्योति नगर स्थित ईडी कार्यालय के बाहर धरना देते हुए कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई के विरोध में आगे भी सड़कों पर उतरने के लिए कार्यकर्ताओं का आव्हान किया।

धरने में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, टीकाराम जूली सहित कई विधायक और पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर कहा कि हमारी सरकार ने गांधीवादी तरीके से सरकार चलाई। हम भी ऐसे ही कार्रवाई करते तो भाजपा के कई नेता जेल में होते। उन्होंने कहा कि मदन दिलावर पर 14 मुकदमे दर्ज हैं, उनका काम केवल अनर्गल बयानबाजी करना ही है और उसे शिक्षा जैसा पवित्र महकमा दिया गया है। हमारी सरकार में ऐसे व्यक्ति पर कार्रवाई होती तो वो जेल में होते। इनकी बोलने की हिम्मत नहीं होती।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मोदी सरकार जांच एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है। इन एजेंसियों में काम करने वाले अधिकारियों का ईमान भाजपा के पैरों में रखा हुआ है, हमारे कुछ नेता ईडी के डर से कांग्रेस पार्टी छोड़ गए और जिनके ईमान जिंदा है वो कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि अजीत पंवार पर प्रधानमंत्री ने 70 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया था और 7 दिन बाद ही उन्हें उपमुख्यमंत्री बना दिया। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शरमा कांग्रेस में थे तब उन पर खूब आरोप लगाए थे, लेकिन वह भी भाजपा में जाकर उनकी वाशिंग मशीन में धुलकर पाक साफ हो गए।

धरने में कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा ने कहा कि भाजपा सरकार ने मेरी सुरक्षा हटा दी है, मुझे जान का खतरा है। भाजपा के लोगों ने एक कार्यक्रम के दौरान मुझ पर हमला किया था, हमारी सरकार की कमी रही की भाजपा के लोगों पर हमारी सरकार में कोई कार्रवाई नहीं हुई। धरने को विधायक रफीक खान, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, कांग्रेस जयपुर शहर अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी,कांग्रेस नेता सुनील शर्मा सहित कई अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

नेशनल हेराल्ड की संपत्ति खुर्द बुर्द कर देना गांधी परिवार मॉडल ऑफ डेवलपमेंट : मदन राठौड़

- '50 लाख में हजारों करोड़ की संपत्ति पर कब्जा, 76 फीसदी मां-बेटे की भागीदारी'
- 'भूल केवल वोट बैंक के लिए के दंगाईयों का साथ दे रही है ममता बेनर्जी'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के देशभर में धरने और प्रदर्शन करने की घोषणा पर कहा कि धरना प्रदर्शन उनका अधिकार है पर उन्हें जमीन और फंड लूटने का अधिकार नहीं है। राठौड़ ने नेशनल हेराल्ड मामला में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 1937 में नेशनल हेराल्ड शुरू हुआ था उस समय 5000 शेयर होल्डर थे, यह संपत्ति स्वतंत्रता सेनानियों की है किसी खानदान की जागीर नहीं है। यह कंपनी जब बन रही थी तब सरदार पटेल ने इसके लिए हो रहे धन संग्रह पर सवाल उठाया था कि जिस तरह से लोगों से पैसा लिया जा रहा है यह ठीक नहीं है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभान गुप्ता ने भी इसके लिए धन इकट्ठा किया था पर जो स्वतंत्रता सेनानियों की प्रॉपर्टी थी वह अब खानदान की प्रॉपर्टी बना दी गई।

राठौड़ ने कहा कि 2008 में नेशनल हेराल्ड का पब्लिकेशन बंद हो गया, कांग्रेस ने उसे 90 करोड़ रुपए दिए। एक राजनीतिक दल किसी प्राइवेट बॉडी को लोन नहीं दे सकती, यह नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। जब नेशनल हेराल्ड की कंपनी एसोसिएट जनरल लोन नहीं चुका पाई तो कॉर्पोरेट षड्यंत्र करके गांधी परिवार के पास संपत्ति आ जाए इसके लिए यंग इंडिया नाम से एक कंपनी बनाई गई।

उन्होंने कहा कि इस कंपनी में 38 फीसदी शेयर सोनिया गांधी के और 38 फीसदी शेयर राहुल गांधी के पास रखे गए। शेष शेयर मोतीलाल बोहरा और ऑस्कर फर्नांडीज जैसे लोगों के पास थे। इस कंपनी के नाम 9 करोड़ के इक्विटी शेयर ट्रांसफर कर दिए गए केवल 50 लाख रुपए में। जिस कंपनी को यह शेयर दिए गए उस कंपनी में 76 फीसदी की भागीदारी माता और पुत्र की थी, जिसकी दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल में हजारों करोड़ की जो प्रॉपर्टी थी। वह भी इस यंग इंडिया के नाम पर ट्रांसफर हो गई और 90 करोड रुपए जो कांग्रेस ने दिए वह राइट ऑफ कर दिए गए। यह एक बड़ा षड्यंत्र था हजारों करोड रुपए की प्रॉपर्टी को हड़पने का। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ईडी ने मोतीलाल बोरा, पवन बंसल, सोनिया गांधी, राहुल गांधी सबसे बुलाकर पूछा पर किसी के पास भी जवाब नहीं था। 50 लाख रुपए में 90 करोड़ का राइट ऑफ हो जाना और करोड़ों की संपत्ति एक अनजानी सी अनाम सी कंपनी के हाथ चले जाना यह गांधी परिवार मॉडल ऑफ डेवलपमेंट है। नेशनल हेराल्ड को सरकार द्वारा संपत्ति दी गई थी उसे खुर्द बुर्द करने का यह भ्रष्टाचार का खुला आचरण है।

बजट घोषणाओं का शीघ्र समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : दिलावर

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को पंचायती राज भवन स्थित सभागार में विभाग की समीक्षा बैठक में भाग लिया।

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26 की विभागीय बजट घोषणाओं के कार्यों का शीघ्र समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बजट घोषणाओं के कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को समय से घोषणाओं को पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

दिलावर आज बुधवार को पंचायती राज भवन स्थित सभागार में विभाग की वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के लम्बित प्रकरणों, कार्यों के क्रियान्वयन एवं अधिकारियों के रात्रि विश्राम के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में कार्यों को पूर्ण करने के लिए समय सीमा निर्धारित करते हुए कार्यवाही प्रारम्भ करे। उन्होंने स्वामित्व योजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा की गई बजट घोषणाओं के लंबित प्रकरणों के त्वरित क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों द्वारा किए गए दौरों और रात्रि विश्राम की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायतों में गंदगी पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इससे पूर्व जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफईएस) के साथ वनस्पति सीड बैंक के संबंध में एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए गए। अंत में बैठक में डॉ. जोगाराम शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुहम्मद जुनैद, निदेशक जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, सलोनी खेमका, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) व अन्य विभागीय अधिकारी गण उपस्थित थे।

डॉ. गर्ग ने पानी की समस्या का निदान करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए

मंत्री ने लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र के विकास एवं समस्याओं पर चर्चा की

भरतपुर 16 अप्रैल। पूर्व मंत्री व जूनून विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने जूनून के दौरे के दौरान शहर के पर्यटन नगर और विजय नगर कॉलोनी में पानी की समस्या की शिकायत के लिए स्थानीय लोगों की पानी की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अन्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र के विकास एवं समस्याओं पर चर्चा की।

विधायक डॉ. गर्ग ने जूनून के तीसरे दिन मंहगाया, नौंह, नगला गोपाल, नौगाया, हथैनी, इकरन, नगला परशुराम, जाट मडौली सहित शहरी क्षेत्र के विजय नगर, सार्स नगर, सारस सहित अन्य क्षेत्रों में प्रवेश द्वारों की यात्रा की। साथ ही वे लोगों के दुख-दर्द भी शामिल हैं। डॉक्टर के दौरे के दौरान गर्ग को इंटरव्यू नगर और विजय नगर कॉलोनी के लोगों ने पानी की समस्या से परेशान होकर कहा। जिस पर डॉ. गर्ग ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को एमओयू पर क्रिएटर की पोस्ट के बारे में जानकारी ली और गर्मी के मौसम को देखते हुए नोएडा पानी की समस्या से संबंधित क्षेत्र में ट्यूबेल पत्रिका के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा डॉ. गर्ग ने विभिन्न वास्तुशिल्प कार्यक्रमों में नव दंपत्तियों और उनके भव्य कोमों को स्थापित किया।

पूर्व मंत्री व जूनून विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने क्षेत्र का दौरा कर लोगों के दुख दर्द जाने।

- गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की समस्या से संबंधित क्षेत्र में ट्यूबेल लगाने के लिए निर्देशित किया।

एक ही रात में चोरों ने आधा दर्जन दुकानों के ताले तोड़कर लाखों की नकदी पर किया हाथ साफ

कृषि उपज मंडी समिति तथा सब्जी मंडी में संचालित दुकानों के तोड़े ताले

श्रीमाधोपुर। कृषि उपज मंडी समिति श्रीमाधोपुर और वही पर सब्जी मंडी में बीती रात चोरों ने जमकर तांडव मचाया। एक ही रात में छह दुकानों के ताले तोड़े गए। इनमें सब्जी मंडी की पाँच और कृषि मंडी की एक दुकान शामिल है। चोर लाखों की नकदी और माल लेकर फरार हो गए।घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में दो नकाबपोश बदमाश कैद हुए हैं, जो पेचकस और अन्य औजारों की मदद से अलमारियों और गल्लों के ताले तोड़ते दिखाई दे रहे हैं।

पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया, लेकिन एक साथ इतनी बड़ी चोरी की वारदात ने मंडी में तैनात गार्डों की कार्यशैली और पुलिस की रात्रि गश्त पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यापारियों में भय का माहौल है और उन्होंने मंडी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

लगातार हो रही चोरियों से मंडी व्यवसायियों में आक्रोश है। जानकारी के अनुसार सब्जी मंडी में मंगलचंद मोतीराम फर्म के मालिक मोतीराम ने बताया कि चोरो ने उसकी दुकान के ताले तोड़कर 37 हजार आठ सौ रूपए चुरा ले गए। भागीरथमल मोहनलाल फर्म के राकेश सैनी ने बताया कि चोरो ने उसकी दुकान से 7 हजार, बालाजी फ्रूट सब्जी मर्चेंट के व्यापारी खेमराज सैनी ने बताया कि चोरो ने उसकी दुकान का ताला तोड़कर 30 हजार रूपए, श्री श्याम फ्रूट कंपनी के व्यापारी सुनील ने बताया कि उसकी दुकान का ताला तोड़कर 17 हजार रूपए और व्यापारी गिरधारीलाल ने बताया कि चोरो ने उसकी दुकान में रखे गल्ले से 15 हजार रूपए चुरा लिए।

वहीं कृषि उपज मंडी समिति में स्थित अनाज व्यापारी बनवारी लाल चौधरी की दुकान से चोर करीब 40 हजार रुपए की नकदी चोरी कर ले गए। इधर चोरी की सुचना के बाद मौके पर एएसआई मालाराम, कांस्टेबल राजवीर सिंह पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

- सीसीटीवी कैमरे में कैद नकाबपोश चोर।

स्मैक सहित आरोपी गिरफ्तार

दौसा। बसवा थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के दौरान कार्रवाई करते हुए एक किलो 678 ग्राम गांजा व 0.34 ग्राम स्मैक जब्त कर मुलजिम सोनू शर्मा उर्फ राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पिछले 3 माह मे अवैध मादक पदार्थ बेचने व खरीदने वालों के खिलाफ यह तीसरी कार्रवाई है।

थानाधिकारी सचिन कुमार ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाये गये अभियान में कार्रवाई करते हुये मुलजिम के कब्जे से अवैध 1 किलो 678 ग्राम गांजा व 0.34 ग्राम स्मैक बरामद कर मुलजिम सोनू शर्मा उर्फ राजेश कुमार को गिरफ्तार किया है। आपरेशन क्लीन स्वीप में अवैध मादक पदार्थ परिवहन करने वाला मुलजिम सोनू शर्मा उर्फ राजेश कुमार पुत्र गणेश जाति ब्राह्मण बडा बजार बसवा का रहने वाला है।

जैन संतों पर हमला, कठोर कार्यवाही करने की मांग

हमले की घटना से सम्पूर्ण भारत वर्ष के जैन संतों में एवं जैन धर्मावलंबियों में भारी आक्रोश है

भीलवाड़ा। मध्यप्रदेश मे जैन संतों पर हुए हमले व हमलावरों द्वारा संतों के साथ अमानवीय कृत्य करने के विरोध में जैन समाज के सदस्यों जैन कोंफ्रेंस राजस्थान के अध्यक्ष आनंद चपलोत के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर अपराधियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही करने की माँग की।

ज्ञापन मे बताया की मध्यप्रदेश के सिंगोली के पास कछाला बस स्टेण्ड के आगे हनुमान मन्दिर पर जैन संत बलभद्र मुनि, शैलेश मुनि, मुनीन्द्र मुनि रात्रि विश्राम हेतु रुके हुए थे देर रात्रि मे असामाजिक तत्वों द्वारा जानलेवा हमले का प्रयास करते हुए मारपीट की गई। जिससे संतों का गहरी चोटें पहुँची हैं, इस घटना से सम्पूर्ण भारत वर्ष के जैन संतों में एवं जैन धर्मावलंबियों में भारी आक्रोश है तथा इस घटना से समूचा जैन समाज उद्वेलित हैं इस घटना के बाद जैन समाज की ओर से थाने एफआईआर दर्ज करवाने के बाद अपराधियों की गिरफ्तारियां हुई व अपराधियों मे भय बना रहे, इसलिए उनको आम जनता के बीच पुलिस निगरानी में घुमाया गया है, परन्तु जैन समाज इस कार्यवाही से संतुष्ट नहीं है हमारा मानना है की इस प्रकार की आपराधिक घटना एक सोची-समझी साजिश के अन्तर्गत की हुई प्रतीत होती है इसलिए गिरफ्तार किये गये अपराधियों के साथ प्रशासन की कठोर कार्यवाही एवं पूछताछ करते हुए उच्च स्तरीय जांच की जाए इससे ही सारी वास्तविकत स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, हम सभी इस ज्ञापन के जरिये माँग करते है कि इस घटना पर राजस्थान सरकार द्वारा मध्यप्रदेश शासन को अपराधियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही करने एवं इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाने हेतु आठाह करें, जिससे जैन समाज में उपजे असंतोष को न्याय मिल सके इस अवसर पर जैन कोंफ्रेंस राजस्थान अध्यक्ष आनंद चपलोत, अनुराग नाहर, पंकज मेडतवाल, अर्पित कोठारी, हेमंत बाबेल, जीतू कठेड, अर्पित चौधरी, राजेश पीपड़ा आदि उपस्थित थे।

स्मैक सप्लायर्स गिरफ्तार

करौली । करौली के लांगरा थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत तीन स्मैक सप्लायर्स को गिरफ्तार किया है।

लांगरा थाना अधिकारी वासुदेव बसवाल ने बताया कि आरोपियों कि पहचान आकाश कुमार गर्ग,गोपेश और धर्मी माली के रूप में हुई है। यह गिरफ्तारी थाना कोतवाली करौली क्षेत्र में दर्ज मामले के आधार पर की गई। पुलिस ने गुप्त सूचना पर भट्टा तिराहा करौली में घेराबंदी कर तीनों को पकड़ा। पूर्व में गिरफ्तार गजबी प्रजापत और रवि उर्फ सत्यनारायण कि निशानदेही से यह कार्यवाही कि गई। आरोपी रवि से स्मैक खरीदकर छोटी-छोटी पुड़ियों में बांटते थे। फिर इसे करौली,मांसलपुर और आसपास के इलाकों में सप्लाई करते थे। इनका स्मैक का मुख्य स्त्रोत गंगापुर सिटी बताया जा रहा है। थानाधिकारी वासुदेव प्रसाद जाप्ते के नेतृत्व में यह कार्यवाही कि गई।

बीकानेर में कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर महिला से दुष्कर्म

बीकानेर। कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर एक महिला के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित महिला ने कोर्ट से इस्तगासे के आधार पर गंगाशहर थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार पीडिता के परिवार को मकान निर्माण के लिये रुपयों की जरूरत थी। महिला अपने ही समाज के अचलाराम सांसी निवासी बायतु, बिंजाराम सांसी और उसके भाई ताजाराम सांसी से मिली।

आरोप है कि रुपए देने का झांसा देकर उन्होंने महिला को जोधपुर बुलाया। वहां से उसे अहमदाबाद ले गए। जहां कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर पिला दिया। उसके बाद महिला के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसे बालोतरा में बंधक बनाकर दुष्कर्म किया।

पुलिस के अनुसार यह घटना पिछले साल 27 दिसम्बर से 31 दिसंबर के बीच की बताई जाती है। गंगाशहर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- पीड़ित महिला ने कोर्ट से इस्तगासे के आधार पर गंगाशहर थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है।

जेईई-मेन एआईआर-1 परीक्षा नौ पारियों में संपन्न हुई

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन (बीई-बीटेक) जो कि इस वर्ष 22 से 29 जनवरी के मध्य 10 तथा अप्रैल माह में 2 से 8 अप्रैल के मध्य 9 पारियों में संपन्न हुई। दोनों पारियों में मिलाकर इस वर्ष इतिहास में सर्वाधिक 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने जेईई-मेन परीक्षा दी, परीक्षा का परिणाम ऑल इंडिया रैंक के साथ 17 अप्रैल को जारी किया जाना संभावित हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि इस वर्ष जेईई-मेन के जारी किए गए परिणामों में आल इंडिया रैंक-1 पर कई स्टूडेंट्स आना तय है। इसका कारण जेईई-मेन द्वारा दो विद्यार्थियों के समान टोटल एनटीए स्कोर पर टाई लगने का मैथ्ड्स है। एनटीए द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार दो विद्यार्थियों के टोटल एनटीए स्कोर पर टाइ लगने पर सर्वप्रथम मैथेमेटिक्स का एनटीए स्कोर, इसमें टाई होने पर फिजिक्स, इसके बाद कैमेस्ट्री के एनटीए स्कोर के आधार पर रैंक को प्राथमिकता दी जाएगी। उपरोक्त सभी विषयों में टाई लगने की स्थिति में विद्यार्थियों के कुल सही एवं गलत जवाबों के प्राप्तांकों के अनुपात को देखा जाएगा। इस स्थिति के बाद क्रमश: मैथेमेटिक्स, फिजिक्स एवं कैमेस्ट्री के सही एवं गलत उत्तरों के नम्बर के अनुपात को देखा जाएगा। उपरोक्त सभी स्थितियों में टाई लगने पर विद्यार्थियों की एक समान आल इंडिया रैंक जारी कर दी जाएगी। ऐसी स्थिति में जिन विद्यार्थियों का परफेक्ट स्कोर 300 में से 300 है, उनकी एआईआर-1 जारी होगी।

ऐसे जारी होगी ऑल इंडिया रैंक:- अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन के अप्रैल सेशन के जारी किए गए परिणामों में विद्यार्थियों की ऑल इंडिया रैंक, कैटेगरी रैंक के साथ-साथ एडवांस्ड परीक्षा देने की पात्रता भी जारी की जाएगी। ऑल इंडिया रैंक जारी करने के लिए विद्यार्थियों के जनवरी एवं अप्रैल सेशन के हॉयर एनटीए स्कोर को लिया जाएगा। 7 डेसीमल में हायर एनटीए स्कोर के आधार पर ही ऑल इंडिया रैंक जारी की जाएगी। ऑल इंडिया रैंक के साथ-साथ विद्यार्थी जिस कैटेगरी से संबंधित है, उसकी कैटेगरी रैंक जारी होगी। विद्यार्थी के जनवरी एवं अप्रैल के 7 डेसीमल में हायर एनटीए स्कोर के आधार पर एडवांस्ड देने की पात्रता जारी की जाएगी। एडवांस्ड देने की पात्रता कैटेगरी के आधार पर अलग-अलग होगी। जेईई-मेन के आधार पर शीर्ष चुने हुए करीब ढाई लाख विद्यार्थी ही एडवांस्ड देने के पात्रता होंगे।

अगले तीन दिन तक पारा बढ़ने की चेतावनी

बीकानेर। अगले तीन दिन तक गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। मौसम शुष्क रहने की चेतावनी देते हुए मोसम विभाग ने बीकानेर में पारा 42 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई है। कुछ स्थानो पर तापमान 45 डिग्री सेल्सियस भी जा सकता है। बीकानेर सहित पश्चिमी राजस्थान में तापमान में फिलहाल 19 अप्रैल तक कोई खास राहत की उम्मीद नहीं की जा रही है। न सिर्फ दिन में बल्कि रात में भी ठंडी हवाओं के लिए लोगों को एसी और कूलर का ही सहारा लेना पड़ेगा। रात का तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।

बीकानेर में बीते चौबीस घंटे में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा है। दोपहर दो बजे के आसपास पारा उच्चतम स्कोर पर पहुंच रहा है, वहीं शाम होते-होते कुछ राहत मिलती है। तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला अगले कुछ दिन तक जारी रहेगा।

बीकानेर में फिलहाल किसी तरह का पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव नहीं है। ऐसे में तापमान भी कम नहीं होगा। सोमवार की रात राज्य में सबसे गर्म बीकानेर में रही। जब पारा 28.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था।

गफलत में मरीज के अटेंडेंट को ओ.टी. में ले जाकर लगा दिया चीरा, मचा हड़कंप

घटनाक्रम के बाद अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज कोटा के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में एक मरीज के अटेंडेड को ऑपरेशन थिएटर में ले जाने और चीरा लगा देने का मामला सामने आया हैं। समय रहते गलती पकड़ में आ गई। अब इस घटनाक्रम के बाद अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है। इस मामले के सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने जांच करने की बात कह रहे हैं। तीन सदस्य जांच कमेटी भी गठित कर दी गई है।

मामले के अनुसार अस्पताल में कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी डिपार्टमेंट में एक मरीज के हाथ में डायलिसिस फिस्टुला बनाना था। यह हाथ में चीरा लगाकर नसों को जोड़कर बनाया जाता है ताकि मरीज की डायलिसिस आसानी से हो सकें। ऑपरेशन थिएटर के बाहर स्टॉफ ने आकर जैसे ही आवाज दी तब इस जगदीश नाम के अटेंडेंट ने हाथ ऊंचा कर दिया।

इसके बाद स्टॉफ उसे अंदर ले गया और ऑपरेशन थिएटर पर टेबल पर लेटा दिया।

उसके हाथ में फिस्टुला बनाने के लिए चीरा भी लगा दिया गया। इसी दौरान उसके बेटे का इलाज कर रहे डॉक्टर पहुंच गए। उन्होंने देखा कि यह तो उनके मरीज का अटेंडेंट है। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ और हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद इस मरीज के वापस टांके लगाए गए। उसे ओटी से वापस उसके बेटे के वार्ड में भेज दिया। बाद में जिस मरीज का डायलिसिस फिस्टुला बना था उसका फिस्टुला बनाया गया।

जिस अटेंडर के साथ यह घटना हुई है वह पैरालाइज्ड है। वह ठीक से बोल नहीं पाता है। इसीलिए जब उससे पूछा गया तो वह कुछ भी नहीं बोल पाया और डॉक्टर ने भी प्रोसीजर शुरू कर दिया। दूसरी तरफ ऑपरेशन थिएटर में भी प्रोसीजर फॉलो नहीं हुआ है। ओटी में मरीज को ले जाने के पहले उसे ओटी की ड्रेस पहनाई जाती है लेकिन इस मरीज ने ड्रेस भी नहीं पहनी हुई थी। दूसरी तरफ हाथ में डायलिसिस फिस्टुला बनाने के लिए बाल हटाए जाते हैं और सफाई की जाती है वह भी नहीं हुई थी। इसके बावजूद भी ध्यान नहीं दिया। यह काफी छोटा प्रोसीजर था इसलिए डॉक्टर ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। मामले को लेकर सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. विकास खंडेलिया का कहना है कि मरीज की जगह दूसरे मरीज के अटेंडेंट को ऑपरेशन थिएटर में ले जाने के संबंध की सूचना मिली है। कई तरीके की जानकारियां सामने आ रही हैं। जांच के लिए तीन सदस्यों की कमेटी गठित कर दी है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

- तीन सदस्य जांच कमेटी भी गठित कर दी गई है

बीकानेर में आइस-फैक्ट्री से अमोनिया रिसाव

बीकानेर। शहर के चौखूंटी क्षेत्र में स्थित एक आइस फैक्ट्री में अमोनिया गैस के रिसाव से आसपास के लोगों की तबीयत बिगड़ गई। हालांकि, समय रहते रिसाव को दुरुस्त कर दिया गया है, लेकिन पुलिस मौके पर पहुंच कर भी वापस निकल गई।

चौखूंटी क्षेत्र में नगर निगम के भंडार के पीछे रामपुरिया आइस फैक्ट्री में ये हादसा हुआ है। सुबह करीब साढ़े नौ बजे लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। इस पर लोगों ने आसपास देखा तो आइस फैक्ट्री से रिसाव की आवाज आ रही थी। यहां वाल्मीकि बस्ती में रहने वाले महेंद्र ने बताया कि उसकी पत्नी अचानक उल्टी करने लगी तो उसे पड़ोस में रिश्तेदार के घर पर छोड़ कर आया। महेंद्र के साथ कमल ने भी गैस से तबीयत खराब होने का दावा किया।

स्थानीय लोगों का दावा है कि फैक्ट्री में काम करने वाले एक व्यक्ति की भी तबीयत बिगड़ गई थी, जिसे बाद में अस्पताल ले जाया गया है। फैक्ट्री संचालक की की और से कोई अधिकृत बयान नहीं आया है। मौके पर उपस्थित कर्मचारियों ने माना कि रिसाव हो रहा है। क्षेत्र के लोगों ने इस बारे में सदर पुलिस को सूचना दी, पुलिस की एक गाड़ी मौके पर आई। एक पुलिस कर्मी ने फोन करने वालों को डांट लगाई कि उन्हें क्यों बुलाया है। गैस बंद करने का काम हमारा नहीं है। इसके बाद पुलिस की गाड़ी वहां से निकल गई। आसपास रहने वालों का कहना है कि इस आइस फैक्ट्री को तुरंत हटा देने चाहिए। आए दिन इस तरह की घटना होती रहती है। अगर अब इसे नहीं हटाया तो आंदोलन किया जाएगा।

फैक्ट्री में लगी आग

टोंक। कोतवाली क्षेत्र स्थित निजाम बीड़ी फैक्ट्री के वर्कशॉप में बुधवार को अचानक आग लग गई, जिससे वर्कशॉप में रखी बीड़ी के बंडल (पैकेट) जलने लगे तथा धुंआ खिड़कियों आदि से आने लगा तो अफरा-तफरी मच गई। घटना स्थल पर मौजूद लोगो ने पुलिस और दमकल को सूचना दी।

टायर रिट्रेडिंग फैक्ट्री में भीषण आग, क्षेत्र में दहशत

भीलवाड़ा । शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की आजाद नगर कॉलोनी में स्थित कुम्भा सर्किल के निकट बस्ती के बीच संचालित टायर रिट्रेडिंग फैक्ट्री में बुधवार दोपहर अचानक आग लग गई।

भीलवाड़ा । शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की आजाद नगर कॉलोनी में स्थित कुम्भा सर्किल के निकट बस्ती के बीच संचालित टायर रिट्रेडिंग फैक्ट्री में बुधवार दोपहर अचानक आग लग गई।

आग से जले टायरों से उठा धुआं देख क्षेत्र में दहशत फैल गई। मौके पर पहुंची 4 दमकलों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। फैक्ट्री संचालक के उदयपुर गये होने से नुकसान का आंकलन नहीं हो पाया। जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री हिम्मत सिंह राठौड व रणजीत सिंह राठौड की आजाद नगर में कुंभा सर्किल क्षेत्र में सम्राट टायर के नाम से टायर रिट्रेडिंग फैक्ट्री हैं।

बताया गया है कि दोनों भाई मां का उपचार करवाने उदयपुर गये हुये थे। फैक्ट्री में वर्कर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक फैक्ट्री में आग लग गई। इससे वर्कर्स के साथ ही आस-पास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर नगर निगम फायर स्टेशन से एक के बाद एक चार दमकल मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

आग से टायर, फर्नीचर आदि जलने कर राख हो गए। वहीं आग लगने के कारणों व नुकसान का आंकलन अभी नहीं हो पाया है। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है।

शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की आजाद नगर कॉलोनी में स्थित कुम्भा सर्किल के निकट बस्ती में लगी आग।

- मौके पर पहुंची 4 दमकलों की मदद से आग पर काबू पा लिया
- फैक्ट्री संचालक के उदयपुर गये होने से नुकसान का आंकलन नहीं हो पाया

4.24 लाख टन बजरी का अवैध खनन

बीकानेर। यहां अवैध खनन की सूचना पर जिला कलेक्टर की ओर से गठित एसआईटी. दल ने ग्राम झझू के पास बजरी का अवैध खनन पकड़कर 19.11 करोड़ रुपए की पेनल्टी तय की है। एसआईटी मौके पर पहुंची तो दो अलग पीटो में अवैध खनन किया जा रहा था। टीम को देख कर मौके से अवैध खनन करने वाले लोग भाग निकले। मौके पर देखने पर दो एक्सकैवेटर मशीनें एवं तीन डंपरों को जब्त किया गया।

मौके पर कार्यवाही हेतु हल्का पटवारी झझू को बुलवाया गया। दोनों अवैध खनन के पीट वाली भूमि के खातेदार उदाराम, कोजाराम, मानाराम मेघवाल, पप्पूराम सांसी, पाबूराम नायक है।

मौके पर देखने पर दो एक्सकैवेटर मशीनें एवं तीन डंपरों को जब्त किया गया। मौके पर अवैध खनन का नाप किया आगे जिसके अनुसार इन दोनों पीटो से कुल 4.24 लाख टन बजरी का अवैध खनन हुआ जिसपर कुल रूपए 19.11करोड़ की पेनल्टी तय की गई है। तहसीलदार कोलायत दोनों खातेदारी भूमियों को आराजीराज करेंगे।

अकेले व्यक्ति के खिलाफ नहीं चलाया जा सकता भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7ए का मामला : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7ए के तहत किसी निजी व्यक्ति के खिलाफ तब तक मामला नहीं चलाया जा सकता, जब तक किसी लोक सेवक की मामले में संलिप्तता या सह आरोपी की भूमिका ना हो। इसके साथ ही अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ एसीबी कोर्ट, जयपुर में लंबित आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश प्रमोद शर्मा की आपराधिक याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।अदालत ने अपने आदेश में कहा कि एसीबी प्रकरण में तत्कालीन भरतपुर रेंज डीआईजी लक्ष्मण गौड़ की संलिप्तता से इनकार करते हुए एफआर पेश कर चुकी है। वहीं प्रकरण में याचिकाकर्ता निजी व्यक्ति के अलावा अन्य कोई लोक सेवक शामिल नहीं है। ऐसे में केवल एक निजी व्यक्ति के खिलाफ धारा 7ए के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

याचिका में अधिवक्ता राजेष महर्षि ने अदालत को बताया कि कोटा के उद्योग नगर थानाधिकारी चंद्रप्रकाश ने 23 जून, 2020 को एसीबी में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने उसकी पदोन्नित सुनिश्चित करने और उसे चहेतों में शामिल करने के लिए डीआईजी लक्ष्मण गौड़ के नाम पर दस लाख रुपए मांगे। एसीबी ने रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए 24 जून को याचिकाकर्ता को ट्रेप किया और उसकी कार से पांच लाख रुपए बरामद किए। वहीं बाद में एसीबी ने याचिकाकर्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7ए के तहत आरोप पत्र पेश करते हुए डीआईजी लक्ष्मण गौड़ के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 173(8) के तहत जांच लंबित रखी। याचिका में कहा गया कि एसीबी ने बाद में मामले में लक्ष्मण गौड़ की भूमिका से इनकार करते हुए उन्हें क्लीन चिट देते हुए एफआर पेश कर दी। याचिकाकर्ता की ओर से उसके खिलाफ लंबित आपराधिक कार्रवाई को चुनौती देते हुए कहा गया कि प्रकरण में लोक सेवक को क्लीन चिट दी जा चुकी है। वहीं उसके सिवाय अन्य लोक सेवक मामले में शामिल नहीं है। ऐसे में किसी निजी व्यक्ति के खिलाफ धारा 7ए के तहत आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि एसीबी ने जांच के बाद याचिकाकर्ता को दोषी मानकर आरोप पत्र पेश किया था।

हमने एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में वास्तव में खराब बल्लेबाजी की, हम पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। गेंदबाजों ने जिस तरह से वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। - **अजिंक्य रहाणे**

केकेआर के कप्तान, पंजाब किंग्स से मिली हार पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मयंक यादव

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल 2025 का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने अभी तक खेले 7 मैचों में चार जीत दर्ज की हैं। तेज गेदंबाजी में शार्दुल ठाकुर के अलावा लखनऊ के लिए कोई अन्य गेंदबाज अधिक प्रभावी साबित नहीं हुआ है। इस बीच लखनऊ के लिए अच्छी खबर ये है कि, मंयक यादव ने लखनऊ टीम के ट्रेनिंग कैम्प को जॉइन कर लिया है। वहीं कहा जा रहा है कि मयंक आने वाले शनिवार के दिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में खेलते हुए दिख सकते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल में दोनों टीमों के बीच 29 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इसमें 15 जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स की टीम थोड़ा आगे है। दूसरी तरफ दिल्ली कैपिटल्स ने 14 जीत दर्ज की है।

सुरुचि ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत और सौरभ ने जीता कांस्य पदक

लीमा, 16 अप्रैल। भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह और मनु भाकर ने मंगलवार को पेरू में आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में जहां महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में

क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीते। वहीं सौरभ चौधरी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। सुरुचि सिंह ने मंगलवार को फाइनल मुकाबला जीतने के लिए कुल 243.6 अंक हासिल किए और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को शिकस्त दी, जो 242.3 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। जबकि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की याओ कियानक्सुन ने 219.5 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। यह सुरुचि सिंह का विश्व कप में दूसरा स्वर्ण पदक है। उन्होंने पिछले सप्ताह आईएसएसएफ विश्वकप 2025 ब्यूनस आयर्स में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। पिछले वर्ष नई दिल्ली में शूटिंग नेशनल्स में सात स्वर्ण जीतने वाली सुरुचि ने ब्यूनस आयर्स में फाइनल में 244.6 का स्कोर बनाकर पहला विश्व कप पदक अपने नाम किया। सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने ब्यूनस आयर्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में कांस्य पदक भी जीता था।578 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने वाले सौरभ चौधरी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कुल 219.1 अंक हासिल कांस्य पदक अपने नाम किया। इस प्रतिस्पर्धा में चीन के हू काई ने स्वर्ण और ब्राजील के फेलिप अल्मेडा वू ने रजत पदक मिला।

जांच में नहीं पास हुआ नारायण और एनरिक नाटर्जे का बल्ला

मुल्लांपुर, 16 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गये मुकाबले में सुनील नारायण और एनरिक नाटर्जे

का बल्ला जांच में फेल रहा। आईपीएल के 31वें मुकाबले में मंगलवार को रिजर्व अंपायर सैय्यद खालिद ने कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी शुरु होने पर सलामी बल्लेबाज नारायण का बल्ला जांचा गया। जांच के दौरान बल्ले की चौड़ाई को एक गेज के बीच से गुजारा गया। उनका बल्ला सबसे मोटा हिस्सा गेज को पार करने में विफल रहा। इस दौरान खालिद ने नारायण के साथ खड़े रघुवंशी का बल्ला भी गौर से देखा। रघुवंशी का बल्ला इस जांच में पास रहा। पहली पारी के दौरान तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लेने वाले नारायण ने अपनी पारी में चार गेंदों में पांच रन बनाए। वहीं रघुवंशी केकेआर की ओर से 28 गेंदों में 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। केकेआर की ओर से नॉटर्जे अंतिम बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे लेकिन वह जिस बल्ले के साथ मैदान में उतरे थे उसे वापिस भेज दिया गया क्योंकि टीवी कॉमेंटेटर्स के अनुसार अंपायर्स मोहित कृष्णदास और साईदर्शन कुमार की जांच में उनका बल्ला फेल हो गया। यह घटना 16वें ओवर में हुई, इसके बाद सब्सिट्यूट रहमानउल्लाह गुरबाज नॉटर्जे के लिए अतिरिक्त बल्ले लेकर आएं। हालांकि वह इस बल्ले से एक भी गेंद नहीं खेल पाये स्ट्राइक पर खड़े आंद्रे रसल अगली ही गेंद पर बोल्ड आउट हो गये। उल्लेखनीय है कि नियमों के अनुसार किसी भी बल्ले की चौड़ाई 10.79 सेमी, मोटाई 6.7 सेमी, किनारे की चौड़ाई चार सेमी तथा लंबाई 96.4 सेमी से अधिक नहीं होनी चाहिए।

मोहन बागान सुपर जायंट्स ने जीती ट्रॉफी, फाइनल में बैंगलुरू एफसी को हराया

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इतिहास रच दिया है। दरअसल, टीम ने इंडियन सुपर लीग 2024-25 का खिताब अपने नाम किया है। इस दौरान मोहन बागान ने बैंगलुरु एफसी को हराया है। उसने ये मुकाबला 2-1 से जीता। वहीं मोहन बागान संजीव गोयनका की टीम है। इस जीत के साथ ही आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टीम को बधाई दी है।आईएसएल के इस सीजन का फाइनल मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेला गया। मोहन बागान ने फाइनल मैच के फर्स्ट हाफ से ही आक्रामक खेल दिखाया। टीम के दमदार खिलाड़ी दिमिक्षी पेट्राटोस ने 29वें मिनट में गोल करके बढ़त दिला दी। इसके जवाब में बैंगलुरु ने भी करारा जवाब दिया। लेकिन वे पहले हाफ में एक भी गोल नहीं कर सके। मोहन बागान के गोलकीपर विशाल कैथी ने इस दौरान कमाल का प्रदर्शन किया।बैंगलुरु एफसी ने दूसरे हाफ में वापसी की। सुनील छेत्री ने टीम को बराबरी पर पहुंचा दिया। छेत्री ने 62वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागा था। उसके लिए जेसन कमिंस ने 78वें मिनट में गोल करके बढ़ दिला दी। इस तरह मोहन बागान ने मुकाबला 2-1 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

दिल्ली ने राजस्थान को सुपर ओवर में हराया

राहुल-स्टब्स ने संदीप के ओवर में 12 रन बनाए

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में हराया। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अरुण जेटली स्टेडियम में 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 188 रन बनाए, इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स की टीम भी 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 188 रन बना सकी। सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 5 गेंद में 11 रन बनाए। उसके दोनों बल्लेबाज रन आउट हुए। दिल्ली ने चौथी गेंद पर ही टारगेट हासिल करके जीत हासिल की।

189 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की टीम को संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल ने अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि 31 के निजी स्कोर पर वह चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। संजू ने 19 गेंद में 31 रन बनाए। रियान पराग 11 गेंद में 8 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी जायसवाल ने 37 गेंद में 51 रन की पारी खेली। ध्रुव जुरेल 17 गेंद में 26 रन बनाकर रन आउट हुए। हेटमायर ने 9 गेंद में 15 रन बनाए।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम को तीसरे ओवर में पहला झटका लगा। फ्रेजर मैक्गर्क 6 गेंद में 9 रन ही बना सके। करुण नायर रन आउट होकर पवेलियन लौटे। केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के बीच तीसरे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी हुई। राहुल 32 गेंद में 38 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक पोरेल 37 गेंद में 49 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षर पटेल ने 14 गेंद में 34 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स 18 गेंद में 34 रन और आशुतोश 11 गेंद में 15 रन बनाकर नाबाद लौटे। राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर ने दो, तीक्षणा और हसरंगा ने 1-1 विकेट लिया।

लॉस एंजलिस 2028 ओलंपिक में पोमोना का मेला ग्राउंड करेगा क्रिकेट की मेजबानी

लॉस एंजिल्स, 16 अप्रैल। अमेरिका में दक्षिण कैलिफोर्निया के पोमोना का मेला ग्राउंड लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। लॉस एंजिल्स 2028 की आयोजन समिति ने मंगलवार को बताया कि लॉस एंजिल्स से 50 किमी पूर्व में स्थित पोमोना मेला ग्राउंड में विशेष रूप से निर्मित अस्थायी स्थल पर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह 500 एकड़ परिसर, 1922 से लॉस एंजिल्स काउंटी मेले की मेजबानी करता रहा है। क्रिकेट प्रतियोगिता में महिला और पुरुष वर्ग की छह-छह टीमें भाग लेंगी और इसके लिए 90 एथलीट का कोटा निर्धारित किया गया। प्रत्येक टीम में 15 सदस्य होंगे। आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा, हम लॉस एंजिल्स 2028 में क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा का स्वागत करते हैं क्योंकि यह हमारे खेल की ओलंपिक में वापसी की तैयारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष अमेरिका और कैरिबियन देशों में आयोजित हुए पुरुष के टी-20 विश्वकप के दौरान, न्यूयॉर्क में एक पॉप-अप स्टेडियम बनाया गया था। इसमें भारत-पाकिस्तान के मैच खेले गये थे। लॉडरहिल में सेंट्रल ब्रोवार्ड स्टेडियम और टेक्सास में ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम का भी इस्तेमाल किया गया था।

112 रनों के लक्ष्य का बचाव करना मेरे आईपीएल कोचिंग करियर की सर्वश्रेष्ठ जीत : पोंटिंग

मुल्लांपुर, 16 अप्रैल। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि उनकी टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास के सबसे छोटे 112 रनों लक्ष्य का बचाव एक रिकॉर्ड है और यह उनके कोचिंग करियर की सर्वश्रेष्ठ जीत है। उल्लेखनीय है कि कोलकाता नाइट राइडर्स मंगलवार को पंजाब किंग्स के 112 रन के छोटे से लक्ष्य को भेदने में असफल रही और 95 रन के स्कोर पर पूरी टीम पवेलियन लौट गयी। पंजाब किंग्स ने 16 रनों से जीत हासिल की थी। पोंटिंग ने इस जीत को 'सीजन का सबसे महत्वपूर्ण क्षण' बताते हए कहा, अभी भी मेरे हृदय की गति बढ़ी हुई है। शायद यह 200 से ऊपर का होगी। 50 की उम्र में मैं ऐसे मैच और नहीं चाहता। यह दिखाता है कि क्रिकेट कितना मजेदार खेल है।

आईपीएल 2025 पर फिक्सिंग का साया, बीसीसीआई ने खिलाड़ियों और स्टाफ को सावधान रहने की दी चेतावनी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 की सभी 10 टीमों को चेतावनी दी है। दरअसल, चेतावनी में ये बताया गया है कि हैदराबाद का एक बिजनेसमैन गैरकानूनी काम करवाने के लिए लोगों से संपर्क कर रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने सभी क्रिकेटर्स, कोच, कमेंटेटर और सपोर्ट स्टाफ को भी इस बिजनेसमैन से सावधान रहने की चेतावनी दी है। बताया गया है कि ये बिजनेसमैन कई सारे बुकी के संपर्क में है। ये व्यक्ति टूर्नामेंट में लोगों को महंगे महंगे गिफ्ट देकर अपनी बात मनवाता है।क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार ये बिजनेसमैन आमतौर पर सबसे पहले टीम मालिक, खिलाड़ी, कोच, सपोर्ट स्टाफ और यहां तक कि कमेंटेटरों के परिवार के सदस्यों के संपर्क में आने का प्रयास करता है। एंटी करप्शन यूनिट का मानना है कि ये व्यक्ति पहले भी गैरकानूनी गतिविधियों से सम्मिलित रहा है। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि, हैदराबाद का ये बिजनेसमैन मैदानों में फैन बनकर आईपीएल में भाग ले रहे खिलाड़ियों कोच और कमेंटेटर्स से संपर्क साधने का प्रयास कर रहा है। उसे टीमों के होटल, मैदान में भी देखा जा चुका है। वो खिलाड़ियों और स्टाफ को प्राइवेट पार्टी में आमंत्रित करता है और ज्वेलरी समेत कई मंहगे-महंगे गिफ्ट देता है। बोर्ड ने इस संदर्भ में आईपीएल 2025 में भाल ले रही सभी टीमों और उनके लिए खेल रहे खिलाड़ियों से साथ मांगा है। बीसीसीआई मैच फिक्सिंग जैसी घटनाओं के बिल्कुल खिलाफ है और क्रिकेट की अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

टीम इंडिया ने कैसे जीती चैंपियंस ट्रॉफी : रोहित ने माइकल क्लार्क के सामने किया खुलासा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भारतीय टीम को मिली हार के बाद उसके रिवावल को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने ये भी बताया है कि कैसे खराब दौर में भी टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप 2023 फाइनल की हार ने उन्हें और उनकी टीम को ट्रॉफी जीतने के लिए सबसे ज्यादा प्रेरित किया।ऑस्ट्रेलियाई पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के क्रिकेट पॉडकास्ट बियॉन्ड 23 क्रिकेट पॉडकास्ट पर रोहित ने टीम इंडिया के चैंपियन बनने को लेकर खुलकर बात की है। क्लार्क ने टूर्नामेंट में जसप्रीत बुमराह की कमी खलने के बारे में भी पूछा। जिस पर रोहित शर्मा ने कहा कि, टूर्नामेंट शुरू होने से पहले हमें कई उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा। न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिस कारण हम चीजों को वापस मोड़ना चाहते थे। हम वापसी करना चाहते थे।

बीसीसीआई को महिला टीम के लिए मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट, कोच की तलाश

बेंगलुरु, 16 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को भारतीय सीनियर महिला टीम के लिए मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये हैं। बीसीसीआई ने बैंगलुरु में स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मुख्य फिजियोरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के लिए आवेदन मांगे है। चयन के बाद कोच और मुख्य फिजियोरेपिस्ट को मैचों और टूर्नामेंटों के दौरान सीनियर महिला टीम के साथ यात्रा करना भी आवश्यक है। मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट आवेदकों के पास खेल या मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी में स्नातकोत्तर योग्यता के साथ ही कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य है। महिला टीम के कोच के लिए बीसीसीआई सीओई लेवल 2 कोच (या समकक्ष) जिसके पास हाई-परफॉरमेंस सेंटर/इंटरनेशनल/इंडिया ए/इंडिया अंडर-19/इंडिया महिला/आईपीएल टीम के साथ कम से कम तीन साल (पिछले 7 वर्षों में) क्रिकेट कोचिंग का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड होना चाहिए।

राजस्थान अंडर-14 टीम घोषित

खुशवर्धन सिंह कप्तान व कौस्तु बधनकड़ उपकप्तान होंगे

जयपुर, 16 अप्रैल ।आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के अनुसार मध्य क्षेत्र राज सिंह डूंगरपुर अंडर14 टॉफी हेतु राजस्थान अंडर 14 टीम का चयन राजस्थान जूनियर चयन कमेटी ने किया।बिहाणीने बताया की मध्य क्षेत्र राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु जयपुर में राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित किये गए अंडर 14 प्रशिक्षण शिविर व मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का चयन आरसीए जूनियर चयन कमेटी ने किया।

आगामी 20 अप्रैल से देहरादून में आयोजित होने वाली मध्य क्षेत्र अंडर 14 राज सिंह डूंगरपुर ट्रॉफी में मेजबान उत्तराखंड , राजस्थान , मध्य प्रदेश , उत्तर प्रदेश , छत्तीसगढ़ व विधर्भ राज्यों की टीम भाग लेगी।

अंडर 14 मध्य क्षेत्र राज सिंह डुंगरपुर ट्रॉफी हेतु घोषित राजस्थान टीम : खुषवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), कौस्तुबधनकड़ (उपकप्तान), वशिष्ट शर्मा (विकेट कीपर), अभिमानु चौधरी, अनमोल, गौरव डागर, हिमांशु जणवा, कृष्णाचौधरी, लक्ष्यमराठौर, माधव गोपाल गौतम, निधीश राज, रिहानखान, रेयानसेबेस्टियन, सचिन मीणा, विवेक बगड़ी, यतीश जोहरर।

सुरक्षित खिलाडी : अथर्व मालू, शौर्य प्रताप सिंह, यशवंत सिंह, दक्ष सेठिया।सपोर्ट स्टाफ : धीरज शर्मा - हेड कोच व मैनेजर, रवि प्रकाश - कोच, अज़हरुद्दीन - कोच, आकाश वशिष्ठ - फिजियो, लोकेन्द्र सिंह - ट्रेनर।टीम दिनांक 17 अप्रैल को देहरादून के लिए प्रस्थान करेगी।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

सचिन 7/7 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत बाउंड्री ब्रेकर 7 विकेट से विजय

जयपुर, 16 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज डॉ. सोनी क्रिकेट ग्राउण्ड कालवाड़ रोड़, पर खेले गये पूल-डी के मैच में सचिन चौधरी 7 रन पर 7 विकेट की नायाब गेंदबाजी तथा अफरोस खान 61 रन नाबाद की अद्धशतकीय पारी की बदोलत बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी ने नारायणा क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी ने पहले क्षेत्ररक्षण करते हुये नारायणा क्रिकेट एकेडमी को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया नारायण क्रिकेट एकेडमी की ओर से रावजीर सिंह 56 रन राजेश दामोर 39 रन तथा मनीष 24 रन की पारियों के बावजूद सचिन चौधरी 7 रन पर 7 विकेट ने उनकी पारी पर लगाम लगाते हुये स्कोर 20 ओवर में 9 विकेट पर 140 रन तक सिमीत कर दिया। जवाबी पारी में अफरोस खान 61 रन नाबाद (48 गेंद, 9 चौके), प्रतीर व्रन्जानी 27 रन, कौस्तूभ बढाना 26 रन, रजत गुजराती 13 रन नाबाद ने मिलकर विजय लक्ष्य 142 रन 3 विकेट खोकर 17.5 ओवर में हासिल कर 7 विकेट से जीत हासिल कर ली, नारायण एकेडमी की ओर से भूवन बागवान, राजवीर सिंह व रोहित चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। मैन ऑफ दा मैच सचिन चौधरी 7 रन 7 विकेट लेकर बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी रहे।

वर्ल्ड कप के स्वर्ण पदक विजेता मुकेश चौधरी व कोच राजेश टेलर को दी बधाई

जयपुर, 16 अप्रैल। अंतर्राष्ट्रीय वुशू महासंघ के तत्वावधान में दिनांक 06 से 10 अप्रेल 2025 तक जियांगियन, चीन में आयोजित हुई, 10वी वर्ल्ड कप वुशू प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश व प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी मुकेश चौधरी, हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ व राजस्थान राज्य क्रीड़ा में कार्यरत वुशू कोच राजेश कुमार टेलर ने आज सवाई मानसिंह स्टेडियम में डॉ नीरज के. पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवम् खेल विभाग एवम् अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् से मुलाकात की। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया की डॉ नीरज के. पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवम् खेल विभाग एवम् अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् ने वर्ल्ड कप में स्वर्ण जीतने पर मुकेश चौधरी व उसके कोच राजेश कुमार टेलर को बधाई दी तथा भविष्य में आने वाली प्रतियोगिताओ के लिए शुभकामनाएं प्रदान की।

फिनोवा कैपिटल ने आईपीएल 2025 के लिए ऑफिशियल पार्टनर के रूप में राजस्थान रॉयल्स के साथ हाथ मिलाया

जयपुर, 16 अप्रैल। भारत की अग्रणी एनबीएफसी में से एक फिनोवा कैपिटल को मौजूदा आईपीएल 2025 सीज़न के लिए ऑफिशियल पार्टनर के रूप में राजस्थान रॉयल्स के साथ पार्टनरशिप की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रही है।

यह पार्टनरशिप फिनोवा कैपिटल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। इसकी मदद से फिनोवा राजस्थान रॉयल्स की व्यापक पहुंच और प्रभाव का लाभ उठाकर भारत भर के समुदायों के साथ गहन जुड़ाव को बढ़ावा देना चाहता है। इस सहयोग के माध्यम से फिनोवा कैपिटल छोटे व्यवसाय मालिकों की प्रेरक यात्राओं को आगे बढ़ाएगा, वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देगा और देश के विकास को बढ़ावा देने वाली उद्यमशीलता की भावना का जश्न मनाएगा। ये पहल देश भर में समावेशी विकास को बढ़ावा देने और उद्यिमयों को सशक्त बनाने के फिनोवा के मुख्य मिशन को दर्शाएगी।

इस पार्टनरशिप पर बोलते हुए फिनोवा कैपिटल के संस्थापक और सीईओ मोहित साहनी ने कहा "फिनोवा में हम हर सपने की क्षमता को अनलॉक करने में विश्वास करते हैं। चाहे वह भविष्य का निर्माण करने वाला एक छोटा व्यवसाय मालिक हो या अपने लक्ष्यों का पीछा करने वाला एक युवा एथलीट हो। राजस्थान रॉयल्स के साथ साझेदारी यह एक ऐसा ब्रांड जो हमारे लचीलेपन और महत्वाकांक्षा की भावना को शेयर करता है, हमें अपने प्रयासों को बढ़ाने और एक सार्थक प्रभाव बनाने के लिए एकदम सही मंच देता है।"

इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के मुख्य व्यवसाय अधिकारी आलोक चित्रे ने कहा "हम फिनोवा कैपिटल के रॉयल्स परिवार में शामिल होने से बहुत उत्साहित हैं। यह साझेदारी वास्तविक अवसरों के निर्माण में साझा विश्वास पर आधारित है। क्रिकेट की भावना के माध्यम से और उससे परे भी। यह पार्टनरशिप हमारे लिए अपने फैंस से जुड़ने और उद्यिमयों और युवाओं को प्रेरित करने के लिए रोमांचक नए तरीके खोलती है।"

मोहित साहनी ओर सुनीता साहनी द्वारा 2015 में स्थापित, फिनोवा कैपिटल का तेजी से विकास हुआ है। 16 राज्यों में 450 से अधिक शाखाओं का संचालन, समावेशी वित्तीय प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए समाधान इस साझेदारी के माध्यम से फिनोवा कैपिटल वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान रॉयल्स के शक्तिशाली मंचों का लाभ उठाएगी और पूरे भारत में छोटे व्यवसाय मालिकों की प्रेरक यात्रा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान रॉयल्स के शक्तिशाली प्लेटफार्मों का लाभ उठाएगी। इस सहयोग में उद्यमशीलता की भावना और लचीलेपन का जश्न मनाने के उद्देश्य से डिजिटल अभियान, कहानी कहने की सामग्री और जमीनी स्तर पर सक्रियण शामिल होंगे।

कार्यालय विद्युत नगर निगम कोटा उत्तर (राज0)

क्रमांक:-ननिको उ./वि0/2025/08-14 दिनांक 09.04.2025

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा किसी भी सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी विभागों में निम्न कार्य को करने वाले अनुभवी संवेदकों से ई-निविदा पद्धती से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित राशि, निविदा बेचे जाने, प्राप्त करने, अन्य शर्ते एवं जानकारी निगम वे बसाईट www.kotamc.org, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
(अनुमानित राशि 38.92 लाख रूपयें)
NIB Code - DLB2526A0364
UBN - DLB2526WSRC01486
राज.संवाद/सी/25/812

अधिशाषी अभियंता (वि0)
नगर निगम कोटा उत्तर

कार्यालय अधिशाषी अभियंता (झोटवाडा जोन) नगर निगम, ग्रेटर जयपुर
(सामुदायिक भवन, तारा नगर डी, सिरणी फाटक रोड, जयपुर)

क्रमांक :- ज.स.अ./2025/17 दिनांक :- 15/04/2025

निविदा सूचना सं.- 28-31/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि (झोटवाडा जोन) से सम्बन्धित विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जा रही है। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण दिनांक 10.04.2025 09.00 A.M. से नगर निगम, जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है व अपलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number (UBN) JMC2526WSOB00184 To JMC2526WSOB00187 हैं।

राज.संवाद/सी/25/798

अधिशाषी अभियंता (झोटवाडा जोन), नगर निगम ग्रेटर जयपुर

भिवाड़ी इंटिग्रेटेड विकास प्राधिकरण
एच-5, मगनतसिंह कॉलोनी, भिवाडी, अलवर, दूरभाष :- 01493-230819
ई-मेल :- bida.bhiwadi@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- बीड़ा/अभि./213 दिनांक :- 10/04/2025

Notice Inviting Bid

Bid for "बीड़ा द्वारा भिवाड़ी में निर्मित डिवाईडरो का रखरखाव का कार्य, बीडा के बीकेटी क्षेत्र मे विभिन्न स्थानो पर दिवार डिजाइन पेंटिंग का कार्य, बीडा के बीकेटी क्षेत्र मे पम्प व टेंकर किराये पर लेने का कार्य, बीडा की प्रस्तावित बावडी आवास योजना नीमराणा की चारदीवारी का निर्माण कार्य, समतल चौक से नीलम चौक के मध्य आरसीसी नाली, डिवाईडर मरम्मत एवं फुटपाथ निर्माण का कार्य" is invited from interested Bidders up to 12.00 Noon date 23.04.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state; and https://bida.rajasthan.gov.in departmental website.

UBN : BDA2526WSOB00003, BDA2526WSOB00004, BDA2526WSOB00005, BDA2526WSOB00006, BDA2526WSOB00007

Raj.Samwad/C/25/810 Executive Engineer

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
मू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी कंसलटेंट फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Tender for Consultancy Services for-Preparation of Detailed Project Report for Development of Tourist Facilities and Parikrama Marg for Brij Chourasi Kos in the state of Rajasthan. UBN / RFP Code: HPP2526RFP0001	65.00 Lakh	3 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

राज.संवाद/सी/25/816 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर
पी.एच.ई.डी. कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया, के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानीबाजार, बीकानेर (334001)
फोन-0151-2226475 ई-मेल pheddriibka@gmail.com, eediv2.bik, phed@rajasthan.gov.in Latitude 28.0005250 Longitude 73.3249120

क्रमांक-51-59 **Notice Inviting Bid :- 01 to 16/2025-26** दिनांक-04.04.2025

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 21-04-2025 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 274.47 lacs.

NIT No.	1	2	3	4	5	6	7	8
UBN No.	PHE2526 WSOB00657	PHE2526 WSOB00659	PHE2526 WSOB00660	PHE2526 WSOB00661	PHE2526 WSOB00662	PHE2526 WSOB00664	PHE2526 WSOB00665	PHE2526 WSOB00666
NIT No.	9	10	11	12	13	14	15	16
UBN No.	PHE2526 WSOB00667	PHE2526 WSOB00668	PHE2526 WSOB00669	PHE2526 WSOB00670	PHE2526 WSOB00671	PHE2526 WSOB00672	PHE2526 WSOB00673	PHE2526 WSOB00674

(नरेश कुमार रैगर) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
जिला ग्रामीण खण्ड-।।, बीकानेर

DIPR/C/5121/2025

'पुलिस की वर्दी एक कपड़ा नहीं, जीवन का अर्थ है'

- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मैस भत्ता व वर्दी भत्ता बढ़ाने की घोषणा की तथा सेमी डीलक्स बसों में भी निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की।
- भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस और नागरिकों के बीच नियमित संवाद से आमजन में विश्वास के साथ अपराध पर प्रभावी नियंत्रण होता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुलिस स्थापना दिवस पर आरसीए में परेड का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर परेड निरीक्षण के बाद समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों को पुलिस पदक तथा मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक दिये ।

जयपुर, 16 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस के जवानों का साहस, सेवा भावना और बलिदान अतुलनीय है। पुलिस की वर्दी सिर्फ एक कपड़ा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी, एक वचन और जीवन का एक अर्थ है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी सही मायनों में समाज के असली नायक हैं। वे हर दिन, हर मौसम, हर चुनौती के बावजूद, निरंतर सेवा में जुटे रहते हैं। हर संकट में सबसे पहले खड़े होकर जान-माल की सुरक्षा करते हैं। शर्मा बुधवार को राजस्थान पुलिस अकैडमी (आर.पी.ए.) में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर परेड निरीक्षण के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रदेश के बहादुर पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का दिन है। मुख्यमंत्री ने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक तक के वर्दी भत्ते को 7 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार रुपये करने तथा पुलिस निरीक्षक तक के अधिकारियों का मैस भत्ता 2,400 रुपये से बढ़ाकर 2,700 रुपये करने की घोषणा की। शर्मा ने कांस्टेबल से पुलिस निरीक्षक तक के पुलिसकर्मियों को एक्सप्रेस श्रेणी की बसों के अलावा, सेमी डीलक्स बसों में भी नि:शुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की घोषणा भी की। शर्मा ने कहा कि पुलिस और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। पुलिस और नागरिकों के बीच नियमित संवाद से आमजन में विश्वास के साथ अपराध पर प्रभावी नियंत्रण होता है। उन्होंने कहा, सामुदायिक पुलिसिंग के तहत गांवों-मोहल्लों में बैठकें आयोजित की जानी चाहिए, जिससे लोगों को पुलिस के कार्यों को समझने में मदद मिल सके।

मुख्यमंत्री ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इसके बाद उन्होंने परेड ग्राउण्ड में परेड निरीक्षण किया। समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को पुलिस पदक तथा मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए गए।

पुलिस महानिदेशक यू आर साहू ने बेहतर कानून व्यवस्था को लेकर बजट में की गई घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

अमेरिकी जज ने भारतीय छात्र का निर्वासन रोका

वाशिंगटन, 16 अप्रैल। अमेरिका की एक अदालत ने ट्रम्प प्रशासन को एक भारतीय स्नातक छात्र को निर्वासित करने से रोक दिया है, जिसका स्टूडेंट वीजा उसके स्नातक होने से कुछ ही हफ्ते पहले चार अप्रैल को रद्द कर दिया गया था। मैडिसन अदालत के डिस्ट्रिक्ट जज विलियम कॉनले ने कहा कि यूडब्ल्यू-मैडिसन के अंतर्राष्ट्रीय छात्र 21 वर्षीय कृष्ण लाल इस्सरदासानी का छात्र वीजा रद्द नहीं किया जा सकता और ट्रम्प प्रशासन उसके खिलाफ निर्वासन सहित कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कर सकता। ट्रम्प प्रशासन द्वारा निर्वासन पर अस्थायी रोक लगाने का अनुरोध मैडिसन के वकील शबनम लोतफी द्वारा किया गया था, जब सरकार के छात्र एवं विनिमय आगंतुक कार्यक्रम (एसईवीआईएस) डेटाबेस में इस्सरदासानी का रिकॉर्ड समाप्त कर दिया गया था।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आ गए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

'अन्नाद्रमुक चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार अन्नाद्रमुक ही बनायेगी।

अब, इडापड्डी के इस बयान के बाद, भाजपा की वे सारी योजनाएं उलट-पुलट हो जायेंगी, जो उसने तमिलनाडु को लेकर बनाई थीं। भाजपा तमिलनाडु में प्रवेश करने तथा वहाँ अपनी जड़ें जमाने के लिये पिछले कई वर्षों से जी-तोड़ कोशिश कर रही है। दरअसल, अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुये, भाजपा ने, अन्नाद्रमुक को खुश करने के लिये तथा विधानसभा चुनावों के लिये उसे एनडीए के घेरे में लेने के लिये, अपने नेता, के. अन्नामलाई को भी दरकिनार कर दिया था।

अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वामी ने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि यह गठबंधन तो केवल चुनावों के लिये है। अन्नाद्रमुक सुप्रीमो का यह रूख ऐसे समय में सामने आया है जब पार्टी के अंदर भाजपा के साथ हुये गठबंधन को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। खासकर, संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के पास होने के बाद कुछ पार्टी नेताओं के इस्तीफे भी आए हैं।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि कुछ प्रभावशाली अल्पसंख्यक नेता या तो पार्टी छोड़ चुके हैं या छोड़ने वाले हैं।

भाजपा ने अन्नाद्रमुक प्रमुख के बयान पर अभी तक को कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन यह बात पक्की है कि वह इस बयान से खुश नहीं होगी। जब अन्नाद्रमुक, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हुई थी, उसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गठबंधन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये "एक्स" पर पोस्ट डाली थी, "मिलकर और भी मजबूत।"

गठजोड़ की घोषणा करते हुये, केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा था कि दोनों पार्टियाँ मिलकर चुनाव लड़ेंगी तथा यह भी कहा था कि अन्नाद्रमुक ने कोई शर्त नहीं रखी है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा था, "हमने तय किया है कि अन्नाद्रमुक, भाजपा तथा गठबंधन की अन्य सभी पार्टियाँ, तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनाव एनडीए के बैनर तले मिलकर लड़ेंगी।"

अन्नाद्रमुक भी, वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक तथा भाजपा के साथ हुये गठजोड़ के परिणामस्वरूप, अल्पसंख्यक वोट के नुकसान के कारण, आशंकित एवं भयभीत हो रही है।

पिछले कुछ वर्षों में, जब-जब अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है, उसका प्रदर्शन खराब ही रहा है। 2021 का चुनाव अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ मिलकर लड़ा था तथा केवल 75 सीटें जीत सकी थी, जबकि उससे पहले के चुनाव में उसे 136 सीटें मिली थीं इस प्रकार उसने सत्ता खो दी थी। 2019 तथा 2024 के लोकसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा था। 2024 के लोकसभा चुनावों में, वह राज्य की कुल 39 सीटों में से एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

दादी के सामने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लौट रहे थे। अचानक बाघिन ने झाड़ियों से बाहर आकर बच्चे पर हमला कर दिया। बाघिन ने बच्चे की गर्दन को मुंह में दबाया और पहाड़ियों की तरफ ओझल हो गई।

प्रत्यक्ष घटना को देखकर दादी वहां जोर-जोर से रोने लगी और बेसुध हो गई। लोगों ने तुरंत ही इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही डीएफओ और वनकर्मियों की टीम जंगल की ओर दौड़ पड़ी।

वनविभाग ने कैमरों से जांच करवाई तो बाघिन सुल्ताना झाड़ियों के बीच बच्चे के ऊपर पंजा रखकर बैठी नजर आई। वन विभाग के अधिकारी बाघिन से बच्चे को छुड़वाने के लिए मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास किए। इसके बाद वन विभाग ने पटाखों का उपयोग कर बाघिन को वहां से हटाया। तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी । वनविभाग ने देर शाम 4 बजकर 50 मिनट पर शव को बरामद किया।

चीन ने अमेरिका के "हाई टैरिफ" की बाधा लांघने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टोर्स के दामों से अक्सर बहुत कम होते हैं, सौ की चीज़ दस में बेचते हैं।

यह रणनीति विशेष रुप से हानिकारक इसलिए है, क्योंकि सप्लायर लागत की बारीकी में जाकर, जिन सुपर लग्ज़री बैग्स की खुदरा कीमत, उदाहरण के लिए, 34,000 डॉलर (करीब 29 लाख) हैं, उन्हें कथित रुप से केवल 1400 डॉलर में बना रहे हैं। इस खुलासे ने सोशल मीडिया में खलबली मचा दी है। लग्ज़री रीटेल के मूल्य निर्धारण में बरती जाने वाली "नैतिकता" को लेकर बातें शुरु हो गई हैं तथा यह बात भी उजागर हुई है कि उपभोक्ता आमतौर पर लग्ज़री गुड्स पर कितना भारी प्रीमियम देते हैं।

इन वायरल वीडियो ने तीव्र बहस छेड़ दी है, खासकर जब अमेरिका ने, वर्तमान में चीन से अमेरिका आने वाले सामान की एक विस्तृत श्रृंखला पर 145 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया है। तथापि, चीनी सप्लायरों ने इन चुनौतियों से बचने का रास्ता ढूंढ लिया है, और साथ ही साथ वो अपने सामान को अभी भी अन्तर्राष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुँचा रहे हैं। कई लोग लग्ज़री आइटम्स को कम ड्यूटी वाली श्रेणियों में घोषित करते हैं, कभी -कभी तो उच्च-स्तरीय चमड़े के हैंडबैग को सीमा शुल्क कम करने के लिए एक साधारण 'पीयू बैग' या 'उपहार वस्तु' के रुप में लेबल करते हैं।

सप्लायरों ने एक और तरीका अपनाया है। पहले वो अपना सामान साउथईस्ट देशों को भेजते हैं, फिर माल को उन देशों के उत्पादों के रुप में पुन: निर्यात करके, अक्सर सबसे ऊंचे अमेरिकी टैरिफ से बच जाते हैं- एक गतिविधि, जिसे ट्रांसशिपमेंट के रुप में जाना जाता है। हालांकि, अमेरिकी सीमा शुल्क अधिकारियों ने इसे रोकने के लिए जांच बढ़ा दी है, लेकिन अनौपचारिक व्यापार चैनलों में यह प्रथा अभी भी बनी हुई है।

इसके अतिरिक्त, कई चीनी सप्लायरों ने आयात शुल्क स्वयं वहन करना शुरु कर दिया है। इन अतिरिक्त लागतों के बावजूद, उनके लिए लाभ कमाने के लिए पर्याप्त मार्जिन रहता है, क्योंकि उन्हें लग्ज़री ब्रांडिंग, विज्ञापन ओवरहैड्स और खुदरा मार्कअप के लिए धन खर्च नहीं करना पड़ता। कुछ मामलों में, सामान को बल्क कॉमर्शियल शिपमेंट के बजाय, छोटी-छोटी व्यक्तिगत खेपों के रुप में भेजा जाता है, जिससे सीमा शुल्क जांच और टैरिफ देनदारियां कम हो जाती हैं।

कुछ सप्लायर हांगकांग, दुबई या सिंगापुर जैसे टैरिफ -अनुकूल या कर-मुक्त क्षेत्रों में अपने गोदाम रखते हैं। इन स्थानों से वो ऑर्डर पूरा करते हैं, कभी-कभी कम शुल्क ब्रैकेट तक पहुंचने या प्रतिबंधों को पूरी तरह से बाईपास करने के लिए अपने सामान को "नॉन चाइना ओरिजिन" (गैर चीन मूल) का रुप दे देते हैं।

वायरल हुए क्लिप चीनी उत्पादों की क्वालिटी के बारे में लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को भी तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। ये लोग वीडियो में दिखा रहे हैं कि इन लग्ज़री आइटम्स को बनाने में कितनी सावधानी बरती जाती है तथा कितनी कुशलता से इन्हें बनाया जाता है।

इसके अलावा, कितना हाई ग्रेड का रॉ मटीरियल उपयोग में लिया जाता है तथा इन्हें बनाने वाले कारीगर कितने अनुभवी हैं। ऐसा करके सप्लायर इस धारणा को भी चुनौती देना चाहते हैं कि चीन में निर्मित सामान स्वाभाविक रुप से हीन या घटिया होता है।

बीजिंग के लिए, यह जवाबी कार्रवाई उसकी व्यापक आर्थिक रणनीति के अनुरुप प्रतीत होती है। जबकि, अमेरिका दंडात्मक टैरिफ के साथ चीनी माल को लक्षित कर रहा है, चीन ने 125 प्रतिशत तक के शुल्क के साथ जवाबी कार्रवाई की है और घरेलू सुधारों को गहरा करने और अपनी वैश्विक आर्थिक साझेदारी का विस्तार करने पर ध्यान केन्द्रित किया है। चीनी अधिकारियों ने वॉशिंगटन के ट्रेड एक्शन्स को एकतरफा "दादागिरी" बताया है और दबाव की रणनीति का विरोध करने का संकल्प लिया है।

यह नया घटनाक्रम इंगित करता है कि कैसे व्यापार युद्ध बोर्डरुम और टैरिफ शीट से आगे बढ़कर सार्वजनिक और डिजिटल क्षेत्रों में चला गया है, चीनी सप्लायर, बाज़ार में पश्चिमी लग्ज़री ब्रांडों के प्रभुत्व को अस्थिर करने के लिए, उपभोक्ता से सीधे जुड़ाव का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा करके, वे न केवल लग्ज़री मूल्य निर्धारण मॉडल के अंदरुनी कामकाज का खुलासा कर रहे हैं, बल्कि यह भी परीक्षण कर रहे हैं कि आर्थिक शत्रुता के माहौल में ग्रे-मार्केट कॉमर्स कितनी दूर तक फैल सकता है।

एकल पट्टा प्रकरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने बताया कि पूर्व में राज्य सरकार ने एसीबी कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर पूर्व आईएएस जीएस संधू सहित, अन्य के खिलाफ लंबित मुकदमे को वापस लेने की गुहार की थी, जिसे एसीबी कोर्ट ने खारिज कर दिया था। एसीबी कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट में रिवीजन याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दलील दी कि अभियोजन वापस लेने का पूर्व का निर्णय औचित्यहीन है और मौजूदा राज्य सरकार आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर केस को आगे बढाना चाहती है। वहीं, राज्य सरकार को यह अधिकार है कि यदि जांच में कोई कमी, गलती है या जांच दोषपूर्ण है तो वह न्याय के लिए उस संबंध में पूर्व में लिए गए निर्णय पर भी पुनर्विचार कर सकती है। इसलिए उन्हें रिवीजन याचिका वापस लेने की मंजूरी दी जाए। इस दौरान आरोपी पक्ष की ओर से मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस आरएस राठौड़ की कमेटी के गठन पर भी सवाल उठाया गया।

गौरतलब है कि इस मामले में अदालत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करने वाले अशोक पाठक को हाईकोर्ट में पक्षकार बनाए जाने के मुद्दे पर भी फैसला सुरक्षित रख लिया था।

दरअसल राज्य सरकार ने इस मामले में प्रार्थना पत्र पेश कर कहा है कि एसीबी कोर्ट के समक्ष दायर क्लोजर रिपोर्ट अधूरी व दोषपूर्ण साक्ष्यों पर की गई जांच के आधार पर पेश हुई थी। इसके चलते ही पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को राहत मिली थी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908